नैतिक जीवन मूल्यों के साथ विद्यार्थियों के बहुमुखी व्यक्तित्व विकास हेतु प्रयासरत ....

शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई

जिला–दुर्ग (छ.ग.)

नैक द्वारा ‘बी’ श्रेणी प्राप्त

विवरण पत्रिका, प्रवेश आवेदन एवं अन्य प्रपत्र

शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई, जिला–दुर्ग (छ.ग.)

Web : www.gdt-college.com
Mail : gdtcollege@gmail.com
Phone No : 0788-2673756

वार्षिक स्नेह–सम्मेलन सत्र 2018–19

उतई, महाविद्यालय में वार्षिक स्नेह–सम्मेलन सत्र 2018–19 में मुख्य अतिथि मान्यवर श्री ताम्रध्वज साहू जी, माननीय मन्त्री गृह, लोक निर्माण विभाग, संस्कृति एवं पर्यटन, छ.ग. शासन के साथ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा एवं अन्य।

आत्मरक्षा, आत्मविश्वास और आत्मसम्मान हेतु नारी शक्ति जागरण

संस्था में 'वूमेन सेल' (महिला कल्याण प्रकोष्ठ) पूर्व से ही गठित है। छात्राबहुल महाविद्यालय होने के नाते उनकी सुरक्षा हेतु कॉलेज कई मार्गदर्शी उपक्रम करता है। आत्मरक्षा और आत्मसम्मान हेतु जागृति आये, इस हेतु विशेषज्ञों के मार्गदर्शी व्याख्यान भी कराये जाते हैं। ऐसे ही एक प्रसंग में समर्पित, सक्रिय एवं शासन और समाज द्वारा सम्मानित तथा पुरस्कृत महिला पुलिस प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती नवी मोनिका पाण्डेय का उत्प्रेरक उद्‌बोधन भी आयोजित किया गया। छात्र–छात्राओं ने इसका लाभ उठाया।

नेकी की दीवार

"हितग्राही–लाभार्थी स्वयं को हीन न समझें और सहयोगकर्त्ताओं में यह अहंकार न पनपे कि हम उन पर कोई अहसान कर रहे हैं।" इस शुद्ध, सात्विक और रचनात्मक भाव से "नेकी की दीवार" का शुभारम्भ विगत दो–तीन वर्ष पूर्व प्राचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा की सत्प्रेरणा और शिक्षकवृन्द की सहर्ष सहमति से हुआ। यह सबके सहयोग से लगातार जारी भी है और लोकप्रिय भी है।

प्राचार्य की कलम से...........

बढ़ें हम, पायें स्वर्णिम लक्ष्य, समन्वय–अनुशासन के साथ ......

प्रिय प्रवेशार्थी! दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्र में अनेक सन्दर्भों में बड़े और विशिष्ट इस शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई में आपका आत्मीय स्वागत है, अभिनन्दन है। गाँव और शहर के मिलन बिन्दु पर संस्थित ये संस्थान, 16 अगस्त 1989 को संस्थापित हुआ। रजत जयन्ती मनाकर, 29 वर्ष की अपनी उन्नति, निरन्तर प्रगति साथ गौरव के साथ यह महाविद्यालय स्वर्णिम लक्ष्य की ओर अग्रसर है। अनेक विशिष्ट उपलब्धियों और मानकों से सम्पन्न इस महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद् (NAAC) ने 'बी' ग्रेड देकर सम्मानित किया है।

बेटी पढ़ाओ–बेटी बढ़ाओ –

आस–पास के ग्राम्य अंचलों से आकर यहाँ प्रायः 1300 प्रतिभायें पठन–पाठन कर रही हैं। बेटियों की संख्या अधिक है। बेटों से डबल। हाँ बेटियों के लिये एक और खुशखबरी यह भी है कि 'मुख्यमन्त्री शुचिता योजना' के अन्तर्गत सेनेटरी वेण्डिंग मशीन भी है। एतदर्थ महाविद्यालय परिवार छ.ग. शासन का आभारी है। यद्यपि मुख्यतः 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ' का भाव है,' परन्तु ये सब मिलकर अध्ययन–मनन के साथ, उच्च जीवन मूल्यों के धरातल पर शिक्षणेतर गतिविधियों के माध्यम से भी गुरुजनों के मार्गदर्शन में अनुशासन और समन्वय के साथ अपने बहुमुखी व्यक्तित्व के विकास की ओर अग्रसर हैं। राष्ट्र और समाज की बहुविध सेवा महाविद्यालय परिवार का परम कर्त्तव्य और चरम लक्ष्य है। हमें नये कीर्तिमान रचना है। हम सब का समन्वित और अनुशासित प्रयास होना चाहिये कि हम पढ़ें, बढ़ें और अपने साथ राष्ट्र का भी भविष्य गढ़ें। क्योंकि–

"लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती ।
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती ।।"

ग्रामोदय बनाम भारतोदय –

यदि हम साहित्यिक पृष्ठभूमि में जायें तो राष्ट्रीय साहित्य की अमर पंक्तियाँ याद आती हैं– ***है अपना हिन्दुस्तान कहाँ? वह बसा हमारे गाँवों में।*** अनेकानेक गाँवों की प्रतिभाओं को तराशने में लगा यह महाविद्यालय ग्राम में जागरण का महत्त्वपूर्ण कर्त्तव्य क्षेत्र हो सकता है और निश्चित रूप से छ.ग. शासन, जनप्रतिनिधिगण, समाजसेवी, प्रेस एवं मीडिया के मित्रगण और स्वयं महाविद्यालय परिवार इन सबको जोड़कर, सबसे जुड़कर संस्था के सर्वतोमुखी विकास के लिए कृतसंकल्पित हैं। महाविद्यालय के पास बहुत कुछ है, किन्तु अभी और बहुत कुछ के लिये सबसे मिलकर लगातार कोशिश कर रहे हैं, करना है और करते रहेंगे। सबसे बड़ी उपलब्धि तो यह है कि शुद्ध पर्यावरण और प्राणवायु से लबरेज हमारा कैम्पस है। लगभग 22 एकड़ जमीन हमारे पास है। 'रुसा' (राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान) के तहत दो करोड़ रुपये की लागत से 8 अतिरिक्त कक्षों के साथ महाविद्यालय का नवीन भवन लोकार्पित हो चुका है। अब आधारभूत संरचना की कोई कमी या समस्या नहीं है।

इस विशालतम कैम्पस की बाउण्ड्रीवॉल बन जाती तो, असुरक्षा या अनहोनी की कोई आशंका नहीं होगी। प्रसन्नता और सन्तोष की बात है कि शासन ने माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी ने हमारे निवेदन पर "स्वीकृत" टीप लिखकर समय सीमा भी दी है। वैसे तो बाउण्ड्रीवॉल बनाने हेतु लगभग एक करोड़ का एस्टीमेट लगभग 2–3 वर्ष पूर्व ही शासन की सेवा में प्रेषित किया गया था। अब पुनः कुछ बढ़ाकर कुछ माह पूर्व फिर से भेजा जा चुका है। हमें विश्वास है, हमारे संवेदनशील प्रशासन पर कि अब बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण यथाशीघ्र हो जायेगा। आने वाले समय में ये कॉलेज इस क्षेत्र का एक प्रसिद्ध और विशाल उच्च शिक्षा संस्थान बनेगा। वर्तमान ही भविष्य को सँवारेगा। हम स्वाभिमानी और आत्मविश्वासी हैं। ***राष्ट्र कवि मैथिलीशरण जी गुप्त*** के कालजयी काव्य की पंक्तियाँ प्रेरणा देती हैं–

अपने युग को हीन समझना, आत्महीनता होगी,
सजग रहें, इससे दुर्बलता और दीनता होगी।
जिस युग में हम हुये, वही तो अपने लिये बड़ा है,
अहा! हमारे आगे कितना कर्मक्षेत्र पड़ा है?

मेरिट में लगातार बढ़ोतरी –

प्रायः प्रति वर्ष महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम उत्तम रहा है। विगत वर्ष भी विद्यार्थियों ने अच्छे अंक प्राप्त किये। स्नातकोत्तर कक्षाओं में अधिकांश विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुये। विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में वनस्पति शास्त्र की छात्रा ***सुश्री सुनीता कुमारी*** ने द्वितीय स्थान एवं ***कु. किरण शर्मा ने*** छठवाँ स्थान प्राप्त किया। स्वाभाविक है कि नव प्रवेशित विद्यार्थी इनके गुणों को अपनायेंगे। क्योंकि लक्ष्य अभी आगे है, पर उसे पाना तो है–

"तिपे चाहे भोंभरा, झन बिलमव छाँव म।
जना है हमला, ते गाँव अभी दुरिहा हे।।"

राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) का नागालैण्ड तक डंका –

महाविद्यालय में छात्राओं की संख्या अधिक है। राष्ट्रीय कैडेट कोर की छात्रा इकाई यहाँ पूरी तरह से सक्रिय है। एन.सी. सी. की छात्राओं ने उत्तरकाशी और नागालैण्ड में कॉलेज के झण्डे गाड़े हैं। नागालैण्ड में आयोजित 'राष्ट्रीय एकता कैम्प' में सक्रिय भागीदारी निभाते हुये, अखिल भारतीय स्तर पर छत्तीसगढ़ी जनजीवन, कला और संस्कृति का परचम फहराया। वहाँ के राज्यपाल महोदय ***पद्मनाभ बालकृष्ण आचार्य*** ने हमारे इन कैडेट्स को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। यही नहीं एन.सी. सी. के राष्ट्रीय पर्वतारोहण कैम्प उत्तरकाशी हेतु भी हमारी छात्रायें ***कु. किरण यादव*** एवं ***कु. लेखा बंजारे*** का चयन हुआ। इन्होंने 'नेहरु इंस्टीट्यूट ऑफ माउण्टेनिंग' (एन.आई.एम.) में रॉक क्लाइंबिंग के गुर सीखे और विशेषज्ञता हासिल की। ***कु. किरण यादव*** को तो इस ऑल इण्डिया कैम्प की विविध प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रथम स्थान भी प्राप्त हुआ। ***कु. पूजा यादव*** ने एन.सी.सी. की समस्त क्रियाकलापों में सक्रिय रूप से भागीदारी की। ***कु. दुर्पति साहू*** ने थल सैनिक कैम्प सागर में राज्य स्तरीय स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। किन्तु–

'इस पथ का उद्देश्य नहीं है, शान्त भवन में टिक रहना।
किन्तु पहुँचना उस सीमा तक, जिसके आगे राह नहीं।।'

रा.से.यो. और स्वच्छ भारत – दिल्ली में ध्वज –

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई भी वर्ष भर सक्रिय रही। एन.एस.एस. ने न केवल 'स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत' और 'स्वच्छ छत्तीसगढ़ स्वस्थ छत्तीसगढ़' में लगातार सक्रियता दिखाई, अपितु भारत शासन की "कैशलेस योजना" को जन–जन तक पहुँचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उतई बाजार में उन्होंने कैशलेस इण्डिया कैम्पेन के अन्तर्गत जागरूकता अभियान चलाया। रा.से.यो. इकाई ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस तथा एन.एस.एस. स्थापना दिवस के आयोजन भी सफलता के साथ पूर्ण किये। एन.एस.एस. स्वयं सेवक ***परमेश्वर ठाकुर*** ने राष्ट्रीय शिविर में भी सफलतापूर्वक भाग लिया। ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जागृति हेतु ग्राम गाड़ाडीह में सात दिवसीय कैम्प लगाकर ग्राम्य क्षेत्र की

सेवा की। रा.से.यो. के स्वयं सेवकों ने हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा आयोजित कार्यशाला में सक्रिय हिस्सा लिया। उनके द्वारा वहाँ प्रस्तुत नाटक– 'ई–हॉस्पीटल' ने प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव हासिल किया। "कैशलेस–डिजिटल इण्डिया" जैसी कैम्पेनिंग के लिये हमारे विद्यार्थियों को ***माननीय केन्द्रीय मानव संसाधन मन्त्री श्री प्रकाश जावड़ेकर*** द्वारा प्रेषित प्रमाण–पत्र भी प्राप्त हुये हैं। नगर पंचायत उतई द्वारा महाविद्यालय के पाँच छात्रों को स्वच्छता के लिए प्रति छात्र 3100रु. नगद पुरस्कार की घोषणा की गई है। इस वर्ष 26 जनवरी को गणतन्त्र परेड में रा.से.यो. के दल नायक परमेश्वर ठाकुर ने नई दिल्ली में राज्यपथ में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया राष्ट्रपति महोदय, उपराष्ट्रपति महोदय एवं माननीय प्रधानमन्त्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। हमें लगातार बढ़ते रहना है–

साधना न व्यर्थ कभी जाती, चल कर ही मंज़िल मिल पाती है।
वह देखो पास खड़ी मंज़िल, इंगित वे हमें बुलाती है,
साहस से बढ़ने वालों के, माथे पर तिलक लगाती है।।'
बढ़ना ही अपना काम है, बढ़ना ही अपना काम है ......

खेलकूद में भी आगे –

विद्यार्थियों के सम्पूर्ण विकास के लिये पठन–पाठन के साथ–साथ खेलकूद का भी विशेष योगदान है। कॉलेज के खिलाड़ी छात्र–छात्राओं ने खेलकूद में भी महत्त्वपूर्ण कीर्तिमान कायम किये हैं। महाविद्यालय की 10 टीमों ने विविध क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। कॉलेज के छात्रों में ***पीयूष कुमार*** ने तैराकी प्रतियोगिता में, ***कु. कुन्ती सिन्हा*** ने क्रॉसकन्ट्री दौड़ एवं खो–खो में, ***नफीसा खान*** ने एथेलेटिक्स प्रतियोगिता में, ***गरिमा साहू*** ने ताइक्वाइन्डो प्रतियोगिता में तथा ***खेमलाल*** ने क्रॉसकन्ट्री दौड़ में अखिल भारतीय स्तर पर हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग का प्रतिनिधित्व किया और उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन कर न केवल महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय को अपितु सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ को भी गौरवान्वित किया। स्वर्णिम इतिहास भी हमें और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है–

"बिल्लस खेला होगा राम ने, यहीं मनाया होगा पोरा।
कौशल्या का मायका, छत्तीसगढ़ धान का कटोरा।।"

साहित्य, कला और संस्कृति –

पठन–पाठन, एन.सी.सी., रा.से.यो. एवं खेल गतिविधियों के ही समान साहित्य, कला, संस्कृति एवं रंगमंचीय कौशल प्रदर्शन हेतु महाविद्यालय के विद्यार्थियों को व्यापक अवसर प्रदान करता है। विविध विषयों पर निबन्ध लेखन प्रतियोगितायें, वाद–विवाद प्रतिस्पर्धायें, रंगोली, अल्पना, सलाद सज्जा एवं प्रश्न मंच हेतु मार्गदर्शन पूर्वक अभ्यास कराने का कार्य शिक्षकीय एवं अन्य स्टाफ करता है। उसी का परिणाम है कि पिछले दिनों 'पागलखाना' और 'डिजिटल इण्डिया' जैसे हमारे नाटकों की मंचीय प्रस्तुतियों को न केवल भरपूर सराहना ही मिली, अपितु बड़ी प्रतिस्पर्धाओं में उन्हें प्रथम स्थान भी प्राप्त हुआ। 'पुरुषार्थ फाउंडेशन' बैंगलोर द्वारा 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा ***कु. पिन्की साहू*** ने तृतीय स्थान एवं ***कु. पूजा यादव*** तथा ***कु. सुनीता साहू*** ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। महाविद्यालय में जिले भर के विभिन्न महाविद्यालयों के नवोदित लेखकों के रचनात्मक प्रतिभा के विकास के लिए दो दिवसीय रचनात्मक लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके अत्यंत ही उत्सहावर्द्धक परिणाम रहे। आयोजन सहयोग हेतु हम राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत (एन.बी.टी.आई.) नई दिल्ली के अत्यन्त आभारी हैं। इस विवरणिका में संलग्न अकादमिक कलैण्डर और सांस्कृतिक कलैण्डर के माध्यम से वर्ष भर की योजना के अनुसार तैयारी की जा सकती है। एक रूपरेखा हमारे पास है, हम इसमें इन्द्रधनुषी और मोरपंखी रंग भरकर महाविद्यालय की भव्य और आदर्श तस्वीर बना सकते हैं। साहित्य के काव्य आदि विविधभेद हमें हमेशा ऊर्जा देते हैं। आप तेजस्वी और ओजस्वी ***कवि नचिकेता*** के गीतों में प्रेरणा को देखें –

'जब तक जिजीविषा में उष्मा है, साँसों में लय है,
आँखों में सपने हैं, जिज्ञासा है, विस्मय है।
आग बदल लेती जब तक, अपना आचरण नहीं,
तब तक गीतों से होगा मेरा अन्तरण नहीं।।'

अनुशासन और नियमित उपस्थिति –

उक्त और आगामी सभी लक्ष्य तो इन्हीं दो प्रयासों से सुलभ होंगे। परन्तु सभी लक्ष्यों की प्राप्ति का एक ही सूत्र है निरन्तर, नियमित और अनुशासन के साथ पढ़ाई में मन लगाकर कक्षाओं में 75% से अधिक उपस्थिति और वह भी आत्मानुशासन, विनम्रता, और शालीनता में रहकर। ***चूँकि कॉलेज में अनुशासनहीनता, रैगिंग आदि पूर्णतः निषिद्ध है; इसलिये हर हालात में विद्यार्थियों को इनसे दूर रहना है।*** मर्यादित आचरण करते हुये शालीन भाषा शैली में विद्यार्थी अपनी बात रख सकते हैं। *नियमों–शासनादेशों, छात्रीय आचार संहिता का परिपालन हर हालत में कड़ाई से करना है। महाविद्यालय में मुख्य प्रवेश द्वार के दायीं ओर एवं प्रवेश विवरणिका के पृ.क्रं. 8 पर इनका इसीलिये स्पष्ट विस्तृत और प्रामाणिक उल्लेख किया गया है। 'हमको पता नहीं था कहकर बचना सम्भव नहीं है।' अनुशासन हीनता अक्षम्य अपराध है, इसके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही हो सकती है।* इसलिये जीवन में अनुशासित रहकर उच्च लक्ष्यों की ओर बढ़ें –

अभिवादनशीलस्य, नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते, आयुर्विद्या यशो बलम्।।

विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और शैक्षिक पर्यटन–

यद्यपि महाविद्यालय के अनेक प्रबुद्ध, अनुभवी और विशेषज्ञ शिक्षक, विद्यार्थियों का अपेक्षित मार्गदर्शन करते हैं, तथापि तुलनात्मक अध्ययन, शैली बदलाव और विशेषज्ञता के नाते अनेक बार अतिथि विद्वानों और विशेषज्ञों के चुनिन्दा व्याख्यान कराये जाते हैं। निश्चित रूप से विद्यार्थी इससे लाभान्वित भी होते हैं। प्राचार्य स्वयं भी साहित्य एवं पर्यावरण की निर्धारित कक्षायें लेते हैं। इसके अतिरिक्त आमन्त्रित अतिथि विशेषज्ञगण विधि, न्याय, भ्रष्टाचार निषेध, सतर्कता सप्ताह, विज्ञान, तकनीकी, डिजिटल ज्ञान, साहित्य, भाषा, रोजगार के अवसर, संस्कृति, धर्म, वाणिज्य, यातायात सुरक्षा, कम्प्यूटर, साइबर, पर्यावरण, चिकित्सा, खाद्य, पोषण, योग, स्वास्थ्य एवं नैतिक शिक्षा आदि पर उपयोगी एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन देते रहे हैं। पर्यटन और भ्रमण भी विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन में विशेष सहायक रहे। एक ताजगी, थोड़ा अलग हटकर और मनोरंजन के साथ, बच्चों ने पर्यावरण की चलित कक्षा का आनन्द उठाया। जंगल सफारी, तरीघाट, पुरखौती मुक्तांगन एवं औद्योगिक क्षेत्र आदि के शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने इतिहास, संस्कृति, जैवविविधता, वन्यप्राणी संरक्षण एवं वाणिज्य व्यापार के गुर सीखे।

प्लेसमेण्ट–'उड़ान' –

महाविद्यालय केवल शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल आदि में ही विद्यार्थियों को केवल सुयोग्य नहीं बनाता, अपितु उन्हें विविध रोजगार, जॉब्स और सेवाओं हेतु भी सक्षम बनाता है। पाक कला में स्वरोजगार, मशरुम कल्टीवेशन, स्पोकन इंग्लिश और सम्प्रेषण क्षमता, प्राणी विज्ञान में रोजगार के अवसर तथा जिलेट और भास्कर की वर्कशॉप जैसे अनेक सफल मार्गदर्शी कार्यशालायें आयोजित की गईं। कैरियर्स काउंसलिंग, एम्प्लाइमेण्ट्स गाइडेंस और जॉब अपोर्चुनिटी सेल्स के माध्यम से उनके प्लेसमेण्ट हेतु भी महाविद्यालय कोशिश करता है। पढ़ा लिखाकर सम्मानजनक रोजगार प्राप्त कराने में भी महाविद्यालय यथाशक्ति भरपूर सहयोग करता है। दो–दो सूचना बोर्डों पर अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। शिक्षकों ने प्रतिमाह स्वैच्छिक सहयोग राशि से एक महत्वाकांक्षी योजना ***उड़ान*** की शुरुवात की है। जिससे कि धन और साधन की कमी के कारण कोई विद्यार्थी स्वर्णिम अवसरों से वंचित न रहे। मुख्यमन्त्री युवा स्वावलम्बन योजना (MYSY) से जोड़कर स्वरोजगार के लिये बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को प्रेरित किया है। मुख्यमन्त्री युवा स्वावलम्बन योजना के अन्तर्गत ऑनलाइन परीक्षा में 11 विद्यार्थियों का चयन हुआ। वहीं 48 छात्र–छात्राओं को प्रशिक्षणोपरान्त रोज़गार के योग्य बनाने के लिये चुना गया। अभी विगत महीने ही जियो डिजिटल ग्रुप हेतु भी 13 विद्यार्थियों का चयन कैम्पस सिलेक्शन के तहत हुआ। उन्हें नियुक्ति पूर्व प्रशिक्षण भी इसी माह देने का कार्य भी उक्त कम्पनी करेगी। लाइबलीहुड कॉलेज जैसी अनेक जॉब देने वाली संस्थायें भी कॉलेज से सम्पर्क करती हैं। किन्तु एतदर्थ विद्यार्थियों में भी उत्साह और जागृति जरूरी है।

भविष्य की अभिलाषायें –

केन्द्र और राज्य शासन की एक से एक योजनायें हैं, हम सब मिलकर उनका लाभ उठायेंगे। इनकी सूचनाओं से भी समय–समय पर आप अवगत होते रहें। इसका लाभ ये होगा कि आप सभी जागरूक रहकर अद्यतन–अवगत होते रहेंगे। सबसे महत्वपूर्ण हैं।

शासन ने इस महाविद्यालय को पी.जी. दर्जा देने की घोषणा की है। हमारी प्रार्थना है कि वनस्पति विज्ञान, समाजशास्त्र और हिन्दी साहित्य की स्नातकोत्तर कक्षाओं का संचालन स्ववित्तीय या जनभागीदारी मद से न होकर शासन की तरफ से हो। बजट सेटप के साथ तीनों विभागों में एक–एक प्राध्यापक और कम से कम दो–दो सहायक प्राध्यापक एवं लैब स्टाफ पद स्वीकृत हों। ये पद यथाशीघ्र भरे जायें। इसी तरह अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, प्राणी विज्ञान, गणित, रसायन विज्ञान, इतिहास एवं अर्थशास्त्र में भी स्नातक कक्षायें प्रारम्भ हो। भूगोल, गृहविज्ञान, संस्कृत और भूगर्भ शास्त्र जैसे विषय स्नातक स्तर पर बजट सेटप के साथ प्रारम्भ हों।

नया और बड़ा भवन तैयार है, बस पद सृजन और पदस्थापना होना है। कॉलेज का एप्रोच रोड बहुत ही संकरा है, दुर्घटना का भय रहता है, इसका चौड़ीकरण हो। बाउण्ड्रीवाल की स्वीकृति माननीय मुख्यमन्त्री जी द्वारा दी जा चुकी है। सभा भवन के निर्माण की स्वीकृति भी प्राप्त हुई है। मैदान समतलीकरण और कैम्पस में दो ग्रीन शेड निर्माण बहुत उपयोगी सिद्ध होंगे। उम्मीद है छात्रहित में शासन इन अपेक्षाओं को अवश्य पूर्ण करेगा। अन्ततः पढ़ने और बढ़ने की अभिलाषा और अपेक्षायें युवा वर्ग से ही कुछ ऐसी हैं कि –

स्वयं को दो महा विस्तार,
बनकर शक्ति का सूरज,
कि हर आकांक्षा के पूर्व ही,
विवश होकर स्वयं ईश्वर,
तुम्हारे पास आकर जानना चाहे
कि हे अपराजेय!
तुमको और क्या दे दूँ?
स्वयं बोलो!

आगच्छ, स्वागतम्! स्वस्ति ते!! भवतु ते शुभम् !!!

डॉ. महेशचन्द्र शर्मा
प्राचार्य
शास. दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महावि.
उतई, जिला–दुर्ग (छ.ग.)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
on the recommendation of the duly appointed
Peer Team is pleased to declare the
Government Danveer Tularam College
Utai, Dist. Durg, affiliated to Pt. Ravishankar Shukla University, Chhattisgarh as
Accredited
with CGPA of 2.18 on four point scale
at B grade
valid up to May 10, 2020

Date : May 11, 2015

NAAC

Director

लोग यह नहीं याद करते कि आप कितनी बार गिरे, बल्कि यह याद रखते हैं कि आप कितनी बार उठ खड़े हुए– जे मेलेनी

विद्यार्थियों के लिये आचार संहिता

1. प्रत्येक विद्यार्थी अपना पूरा ध्यान महाविद्यालय द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अंतर्गत अध्ययन पर लगावें एवं महाविद्यालय द्वारा आयोजित एवं अनुमोदित कार्यक्रमों में पूरा–पूरा सहयोग दें।

2. महाविद्यालय की सम्पत्ति, भवन, पुस्तकालय आदि की सुव्यवस्था, सुरक्षा और स्वच्छता में प्रत्येक विद्यार्थी रुचि ले तथा उन्हें कायम रखने, सँवारने में सहयोग दे।

3. महाविद्यालय द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं में विद्यार्थी पूरी तरह सहयोग दें और भाग लें।

4. विद्यार्थियों को सरल, निर्व्यसनी और मितव्ययी जीवन ही बिताना चाहिए। अतएव विशेषकर महाविद्यालय की सीमाओं में किसी प्रकार के मादक पदार्थ का सेवन न करें। विद्यार्थियों को वेशभूषा की तड़क–भड़क या विलासिता शोभा नहीं देते। इसे छात्र–छात्राओं को ध्यान रखना चाहिए।

5. छात्र–छात्राओं को यदि कोई कठिनाई हो तो उसे प्राध्यापक अथवा प्राचार्य के समक्ष निर्धारित प्रणाली से शांतिपूर्वक आवेदन के रूप में प्रस्तुत करना उचित होगा।

6. आंदोलन, हिंसा अथवा आतंक द्वारा किसी भी कठिनाई को हल करने का मार्ग विद्यार्थी नहीं अपनायेंगे।

7. **छात्र सक्रिय दलगत राजनीति में भाग नहीं लेंगे और अपनी समस्याओं के विषय में राजनीतिक दलों, कार्यकर्ताओं अथवा समाचार पत्रों आदि के माध्यम से न तो हस्तक्षेप करेंगे और न इनसे कोई सहायता मांगेंगे।**

8. परीक्षाओं में या उसके संबंध में किसी प्रकार का अनुचित लाभ लेने या अनुचित साधनों का प्रयोग करने का प्रयत्न गंभीर दुराचार माना जायेगा।

9. महाविद्यालय की प्रतिष्ठा और कीर्ति बढ़े और किसी प्रकार का कलंक न लगे ऐसा ही व्यवहार छात्र–छात्राओं को अनुशासन और संयम में रहकर करना चाहिए।

10. आचरण के साधारण नियमों के भंग होने पर विद्यार्थियों को चाहिए कि दोषी व्यक्ति को उचित दंड देने में सहयोग दें जिससे महाविद्यालय का प्राथमिक कार्य अध्ययन, शांति और मनोयोग के साथ चल सके।

11. विद्यार्थियों को यह सावधानी रखनी होगी कि *किसी अनैतिकता मूलक या अन्य गंभीर अपराध का अभियोग उन पर न लगे। यदि ऐसा हुआ तो तत्काल उसका नाम महाविद्यालय से निरस्त कर दिया जायेगा और वह महाविद्यालय में किसी भी प्रतिनिधि के पद पर बने नहीं रह सकेंगे।*

12. **उच्चतम न्यायालय के निर्णयानुसार रैगिंग दंडनीय अपराध है। इस दुष्कार्य में लिप्त छात्र–छात्राओं को नियमानुसार पाँच वर्ष का कारावास, तीन वर्ष तक प्रवेश से वंचित अथवा संस्था से निष्कासित किया जा सकता है।**

संस्था का संक्षिप्त परिचय

इस महाविद्यालय का शुभारम्भ 16 अगस्त 1989 में हुआ। अत्यल्प समय में विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास एवं नैतिक जीवन मूल्यों को समर्पित शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई ने प्रदेश के शासकीय उच्च शिक्षा संस्थानों में उल्लेखनीय स्थिति बनाई।

इस महाविद्यालय का राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्ययन परिषद् (NAAC) के दल द्वारा 27, 28, 29 अप्रैल 2015 को मूल्यांकन किया गया, तत्पश्चात् महाविद्यालय को 'बी' ग्रेड प्रदान किया गया। इस महाविद्यालय को हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग से निम्नलिखित विषयों में सम्बद्धता प्राप्त है। अध्ययन के विषय इस प्रकार है :–

क) कला संकाय :–

अनिवार्य विषय : (1) हिन्दी भाषा (2) अंग्रेजी भाषा (3) पर्यावरण अध्ययन

ऐच्छिक विषय : (1) हिन्दी साहित्य (2) अंग्रेजी साहित्य / इतिहास (3) अर्थशास्त्र (4) राजनीति शास्त्र (5) समाज शास्त्र

नोट :– उपर्युक्त ऐच्छिक विषयों में से किन्हीं तीन विषयों का चयन छात्र–छात्राओं को करना होगा।

ख) विज्ञान संकाय :–

अनिवार्य विषय : (1) हिन्दी भाषा (2) अंग्रेजी भाषा (3) पर्यावरण अध्ययन

ऐच्छिक विषय :

1. गणित समूह : (1) गणित (2) भौतिक शास्त्र (3) रसायन शास्त्र

अथवा

(1) गणित (2) कम्प्यूटर विज्ञान (3) भौतिक शास्त्र

नोट :– बी.एस–सी भाग–3 (गणित) प्रश्न पत्र तृतीय ऐच्छिक विषय विविक्त गणित (Discrete Methematics) इस महाविद्यालय में संचालित होता है।

1). जीव विज्ञान समूह : (1) वनस्पति शास्त्र (2) प्राणी शास्त्र (3) रसायन शास्त्र

अथवा

(1) माइक्रोबायोलॉजी (2) वनस्पति शास्त्र (3) रसायन शास्त्र

अथवा

(1) बायोटेक्नोलॉजी (2) प्राणी शास्त्र (3) रसायन शास्त्र

ग) वाणिज्य संकाय :–

बी.कॉम. (I), (II)

अनिवार्य विषय : (1) हिन्दी भाषा (2) अंग्रेजी भाषा (3) पर्यावरण अध्ययन

(1) लेखांकन (2) व्यवसायिक प्रबंध (3) व्यवहारिक अर्थशास्त्र

बी.कॉम. भाग – (III)

अनिवार्य विषय : (1) आयकर (2) अप्रत्यक्षकर (3) प्रबंधकीय लेखांकन (4) अंकेक्षण

ऐच्छिक विषय ग्रुप (ए) (I) वित्तीय प्रबंध (II) वित्तीय बाजार परिचालन

घ) स्नातकोत्तर :–

(1) एम.ए. राजनीति शास्त्र (2) एम.ए. हिन्दी

(3) एम.ए. समाज शास्त्र (4) एम.एस–सी. वनस्पति शास्त्र

नोट :– सत्र 2003–04 से महाविद्यालय में हिन्दी, समाज शास्त्र तथा 2012 से वनस्पति शास्त्र विषयों में स्नातकोत्तर की कक्षाएं शासन के निर्देशानुसार आरंभ की गई। हिन्दी, समाजशास्त्र एवं वनस्पति शास्त्र की व्यवस्था (वित्तीय) स्थानीय प्रबंधन समिति के तहत किये जाने के आदेश छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दिए गये हैं।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक : ....

सत्र 2019–20

–:: प्रवेश हेतु शुल्क विवरण ::–

शासकीय शुल्क		
स्नातक स्तर		
विज्ञान संकाय (सामान्य/ओ.बी.सी.)		
	शिक्षण शुल्क	115.00
	स्टेशनरी शुल्क	02.00
	प्रवेश शुल्क	03.00
	प्रायोगिक शुल्क	20.00
	योग	**140.00**
कन्या/एस.सी./एस.टी. के लिए		**25.00**
कला एवं वाणिज्य संकाय (सामान्य/ओ.बी.सी.)		
	शिक्षण शुल्क	115.00
	स्टेशनरी शुल्क	02.00
	प्रवेश शुल्क	03.00
	योग	120.00
कन्या/एस.सी./एस.टी. के लिए		**05.00**
स्नातकोत्तर स्तर एम.ए. शिक्षण शुल्क		
	शिक्षण शुल्क	115.00
	स्टेशनरी शुल्क	02.00
	प्रवेश शुल्क	03.00
	योग	120.00
कन्या/एस.सी./एस.टी. के लिए एम.ए.		**05.00**
एम.एस.सी. शिक्षण शुल्क		
	शिक्षण शुल्क	115.00
	स्टेशनरी शुल्क	02.00
	प्रवेश शुल्क	03.00
	प्रायोगिक शुल्क	20.00
	योग	**140.00**
कन्या/एस.सी./एस.टी. के लिए एम.ए.		**25.00**

अशासकीय शुल्क	
शारीरिक कल्याण शुल्क	150.00
कॉशन मनी	60.00
सम्मिलित निधि	32.00
विकास शुल्क	25.00
युथ रेड क्रॉस	25.00
कॉमन रूम	20.00
आंतरिक मूल्यांकन	20.00
सायकल स्टैण्ड	50.00
स्नेह सम्मेलन	10.00
छात्र संघ	08.00
निर्धन सहायता	05.00
परिचय पत्र	50.00
चिकित्सा शुल्क	05.00
योग	**460.00**
स्नातकोत्तर स्तर पर कॉशन मनी	**100.00**
विभागीय शुल्क एम.ए./एम.एस.सी.(अतिरिक्त)	**15.00**
जनभागीदारी शुल्क	
कला विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय	**700.00**
अतिरिक्त शुल्क	
स्ववित्तीय योजना द्वारा संचालित विषयों पर शुल्क (स्नातक स्तर पर) कम्प्यूटर/माइक्रोबॉयोलॉजी/बॉयोटेक	**3000.00**
स्ववित्तीय योजना द्वारा संचालित (एम.ए. : हिन्दी एवं समाजशास्त्र) विषयों पर शुल्क प्रति सेमेस्टर	**2000.00**
स्ववित्तीय योजना द्वारा संचालित (एम.एस–सी. : वनस्पतिशास्त्र)विषय पर शुल्क प्रति सेमेस्टर	**3500.00**

जिस व्यक्ति ने कभी कोई गलती नहीं की हो, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश भी नहीं की होगी।- अल्बर्ट आइंस्टीन

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक :.................

कक्षावार प्रवेश शुल्क विवरण 2019–20

कक्षा	वर्ग	शासकीय शुल्क	अशासकीय शुल्क	जनभागीदारी शुल्क	कुलयोग
बी.एस–सी. (भाग–01)	सामान्य/अपिव	140	460	700	**1300**
	छात्रा/अजा./अजजा.	25	460	700	**1185**
बी.एस–सी. (भाग–02)	सामान्य/अपिव	140	400	700	**1240**
	छात्रा/अजा./अजजा.	25	400	700	**1125**
बी.एस–सी. (भाग–03)	सामान्य/अपिव	140	400	700	**1240**
	छात्रा/अजा./अजजा.	25	400	700	**1125**
बी.ए. (भाग–01)	सामान्य/अपिव	120	460	700	**1280**
बी.कॉम. (भाग–01)	छात्रा/अजा./अजजा.	5	460	700	**1165**
बी.ए. (भाग–02)	सामान्य/अपिव	120	400	700	**1220**
बी.कॉम. (भाग–02)	छात्रा/अजा./अजजा.	5	400	700	**1105**
बी.ए. (भाग–03)	सामान्य/अपिव	120	400	700	**1220**
बी.कॉम. (भाग–03)	छात्रा/अजा./अजजा.	5	400	700	**1105**
एम.ए. पूर्व	सामान्य/अपिव	120	515	700	**1335**
	छात्रा/अजा./अजजा.	5	515	700	**1220**
एम.ए. अन्तिम	सामान्य/अपिव	120	415	700	**1235**
	छात्रा/अजा./अजजा.	5	415	700	**1120**
एम.एस–सी. – प्रथम वर्ष	सामान्य/अपिव	140	515	700	**1355**
	छात्रा/अजा./अजजा.	25	515	700	**1240**
एम.एस–सी. – द्वितीय वर्ष	सामान्य/अपिव	140	415	700	**1255**
	छात्रा/अजा./अजजा.	25	415	700	**1140**

टीप : 1. बी.एस–सी. – बॉयोटेक्नॉलॉजी/माइक्रोबॉयोलॉजी/कम्प्यूटर विज्ञान विषय के लिए 3000/– (रू. तीन हजार मात्र) अतिरिक्त शुल्क जमा करना होगा।
2. एम.ए. (हिन्दी/समाजशास्त्र) विषय में प्रति सेमेस्टर 2000/– (रू. दो हजार मात्र) अतिरिक्त शुल्क जमा करना होगा।
3. एम.एस–सी (वनस्पतिशास्त्र) विषय में प्रति सेमेस्टर 3500/– (रू. तीन हजार पांच सौ मात्र) अतिरिक्त शुल्क जमा करना होगा।

सफलता के लिए इंसान के अंदर जुनून और आगे बढ़ने की भूख होनी चाहिए। फिर दुनिया का कोई लक्ष्य असंभव नहीं- बिलगेट्स

महाविद्यालय सीट संख्या की जानकारी
सत्र–2019–20

क्रं.	पाठ्यक्रम का नाम	संकाय	स्वीकृत सीट संख्या
1.	(कला संकाय–स्नातक स्तर)	बी.ए.	225
2.	(वाणिज्य संकाय–स्नातक स्तर)	बी.कॉम.	100
3.	(विज्ञान संकाय–स्नातक स्तर) बी.एस.सी.	बी.एस–सी. (गणित) B.Sc. In Mathematics (Math, Chem, Phy)	95
		बी.एस–सी. (बायो. ग्रुप) B.Sc. In Biology (Chem, Zoo, Bot)	90
	माइक्रोबायलॉजी	B.Sc. In Biology (Chem, Bot, Micro)	30
	बायोटेक्नोलॉजी	B.Sc. In Biology (Chem, Zoo, Biotech)	40
	कम्प्यूटर विज्ञान	B.Sc. In Mathematics (Math, Comp. Sc., Phy)	25
4.	(कला संकाय–स्नातकोत्तर स्तर)	हिन्दी साहित्य	20
		राजनीति विज्ञान	20
		समाजशास्त्र	20
5.	(विज्ञान संकाय–स्नातकोत्तर स्तर)	वनस्पति शास्त्र	20

महाविद्यालय के गौरव

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर की प्रावीण्य सूची सत्र 2015–17 में स्थान प्राप्त करने वाले महाविद्यालय के विद्यार्थी

सुश्री सुनीता कुमारी
कक्षा–एम.एस–सी. वनस्पति शास्त्र
(विश्वविद्यालय की प्रावीण्या सूची में द्वितीय स्थान)

सुश्री किरण शर्मा
कक्षा–एम.एस–सी. वनस्पति शास्त्र
(विश्वविद्यालय की प्रावीण्या सूची में छठवाँ स्थान)

शासकीय दानवीर तुलाराम महाविद्यालय उतई, जिला–दुर्ग (छ.ग.)
एन.एस.एस. खेलकूद

परमेश्वर ठाकुर
कक्षा–एम.ए. चतुर्थ सेमे. राजनीति विज्ञान
उपलब्धि
(26 जनवरी को राजपथ में गणतंत्र दिवस परेड में छ.ग. राज्य का प्रतिनिधित्व)

सुनील मनहरे
कक्षा–बी.एस–सी.–तृतीय
उपलब्धि
(सम्बलपुर विश्वविद्यालय उड़ीसा में आयोजित 34वें मध्य जोन अन्तर्विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव की प्रतियोगिता में (वाद–विवाद में) उसने हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय दुर्ग का सफलतापूर्वक प्रतिनिधित्व किया।)

कु. नफीसा खान
कक्षा–एम.ए. द्वितीय सेमे.
उपलब्धि (अखिल भारतीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता में दुर्ग वि.वि. दुर्ग का प्रतिनिधित्व)

कु. कुन्ती सिन्हा
कक्षा–बी.ए.–तृतीय
उपलब्धि (क्रॉसकन्ट्री दौड़ एवं खो–खो की अखिल भारतीय प्रतियोगिता में दुर्ग वि.वि. दुर्ग का प्रतिनिधित्व)

शासकीय दानवीर तुलाराम महाविद्यालय उतई, जिला–दुर्ग (छ.ग.)
एन.सी.सी.

कु. दुर्पति साहू
कक्षा–बी.ए. तृतीय
(उपलब्धि– थलसैनिक राज्य स्तरीय कैम्प, सागर में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन)
शास. दानवीर तुलाराम महाविद्यालय उतई
जिला–दुर्ग (छ.ग.)

कु. पूजा यादव
कक्षा–बी.ए. तृतीय
(उपलब्धि–एन.सी.सी. की स्वच्छता एवं समस्त क्रियाकलापों में उत्कृष्ट प्रदर्शन)
शास. दानवीर तुलाराम महाविद्यालय उतई
जिला–दुर्ग (छ.ग.)

शासकीय दानवीर तुलाराम महाविद्यालय उतई, जिला–दुर्ग (छ.ग.)
छात्रसंघ चुनाव–2018–19

अध्यक्ष
कु. हिना
(एम.एस.सी.–तृतीय सेमेस्टर वनस्पति शास्त्र)

उपाध्यक्ष
कु. दुर्गा
(एम.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर वनस्पति शास्त्र)

सचिव
खेमलाल साहू
(बी.एस–सी.–तृतीय)
(गणित)

सहसचिव
दीपक कुमार
(बी.एस–सी.–द्वितीय)
(गणित)

सफल होने का सबसे निश्चित तरीका है, हमेशा एक बार और प्रयास करना- अनुभवाचार्य

सत्र का प्रारंभ

ग्रीष्मावकाश के पश्चात् महाविद्यालय 2019–20 जून से पुनः प्रारंभ होगा।

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

शैक्षणिक पाठ्यक्रम की भांति इस महाविद्यालय में पाठ्येत्तर गतिविधियों का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। इस दृष्टि से इस महाविद्यालय में निम्नलिखित व्यवस्थाएं हैं :–

1) खेलकूद (जिम एवं खेल के मैदान की सुविधा) –

छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व के बहुमुखी विकास के उद्देश्य से महाविद्यालय में खेलकूद की समुचित व्यवस्था की गई है। प्राचार्य द्वारा प्रतिवर्ष एक क्रीड़ा समिति का गठन किया जाता है। यह समिति खेलकूद संबंधी गतिविधियों का संचालन एवं नियंत्रण करती है। महाविद्यालय द्वारा खेलकूद संबंधी दी जा रही सुविधाओं का विवरण निम्नानुसार है –

क)	इन्डोर	: (1) टेबल टेनिस	(2) कैरम	(3) शतरंज
ख)	आउटडोर	: (1) कबड्डी	(2) खो–खो	(3) क्रिकेट
		(4) व्हालीवाल	(5) एथलेक्टिस	

2) एन.सी.सी. (महिला)

विद्यार्थियों में अनुशासन तथा राष्ट्रीय भावना के विकास हेतु छात्राओं के लिए एन.सी.सी. की सुविधा उपलब्ध है। इच्छुक छात्राएं प्रवेश के पश्चात् एन.सी.सी. अधिकारी से संपर्क कर एन.सी.सी. में प्रवेश ले सकती हैं।

3) राष्ट्रीय सेवा योजना – (पुरुष)

एन.एस.एस. के अंतर्गत योग्यतानुसार विश्वविद्यालय द्वारा बी एवं सी प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। छात्रों को समाज सेवा तथा जनकल्याण के कार्यों का प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था के तहत वर्ष भर विभिन्न गतिविधियों एवं वार्षिक शिविर के आयोजन द्वारा छात्रों को समाज एवं राष्ट्र के प्रति उनके दायित्वों को गंभीरता से पूर्ण करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई कार्यरत है।

4) यूथ रेडक्रॉस सोसायटी –

महाविद्यालय के छात्र सदस्यों द्वारा ही छात्रों का सर्वांगीण विकास, इनमें स्वप्रेरित सेवाभाव जागृत करने, रोगियों, पीड़ितों, अशक्त तथा असहायों के प्रति संवेदनशीतला बढ़ाने के लिए रेडक्रॉस सोसायटी का गठन किया जाता है। इसके अंतर्गत समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

5) छात्र संघ –

छात्र संघ का गठन शासन के निर्देशानुसार किया जाता है।

6) कैरियर एवं प्लेसमेण्ट गाइडेंस प्रकोष्ठ –

छात्र–छात्राओं को कैरियर के चुनाव में सहयोग देने तथा मार्गदर्शन के लिए कैरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ का गठन किया जाता है इसके अंतर्गत विविध क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों को महाविद्यालय में आमंत्रित किया जाता है। विविध क्षेत्रों से रोजगार संबंधी जानकारियाँ विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जाती हैं। इस प्रकोष्ठ द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी मार्गदर्शन दिया जाता है।

प्रकोष्ठ एवं समितियाँ

विद्यार्थियों को उनके निश्चित उद्देश्य की प्राप्ति में सहयोग देने के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय में विभिन्न समितियाँ एवं प्रकोष्ठ जैसे– रैगिंग विरोधी प्रकोष्ठ, अनुशासन प्रकोष्ठ, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ, रोजगार मार्गदर्शन, अनुसूचित जाति, जनजाति, कमजोर वर्ग प्रकोष्ठ, महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायत एवं निवारण समिति/साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति आदि अपने–अपने निर्धारित क्षेत्रों में सक्रिय हैं।

शिक्षक– अभिभावक संघ (पी.टी.ए.) –

शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय में शिक्षक–पालक संघ स्थापित किया गया है। इस संघ द्वारा शिक्षकों, अभिभावकों के सुझाव एवं मतों को ध्यान रखते हुए महाविद्यालय के उन्नयन की दिशा में कार्य किया जाता है।

जनभागीदारी समिति –

शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय के विकास के लिए जनभागीदारी समिति गठित है। महाविद्यालय एवं छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु यह समिति सतत् कार्यरत है।

भूतपूर्व छात्रों का संगठन (एल्मुनी एसो.)–

महाविद्यालय में शिक्षा प्राप्त, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत भूतपूर्व विद्यार्थियों का यह संगठन महाविद्यालय से निरन्तर जीवंत सम्पर्क बनाये रखता है तथा महाविद्यालय के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है।

सूचना का अधिकार –

महाविद्यालय में सूचना के अधिकार की जानकारी हेतु एक समिति गठित है।

छ.ग. लोक सेवा गारंटी –

शासन के आदेशानुसार इस महाविद्यालय में छ.ग. लोक सेवा गारंटी 2014 से कार्यरत है।

महाविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन प्रस्तुत करना –

प्रवेशार्थी छात्र–छात्रा महाविद्यालय द्वारा घोषित तिथि के समाप्त होने के पूर्व अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत करें और महाविद्यालय कार्यालय में आवेदन जमा करने की पावती (रसीद) प्राप्त कर लें।

आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण पत्र अनिवार्यतः प्रस्तुत करें :–

1. इस महाविद्यालय के अतिरिक्त किसी अन्य संस्था से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र–छात्रा पूर्व संस्था का स्थानांतरण मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। इसकी द्वितीय प्रति प्रवेश के लिए मान्य नहीं होगी। स्थानांतरण प्रमाण पत्र खो जाने की स्थिति में विद्यार्थी द्वारा निकटस्थ पुलिस थाने में FIR दर्ज किया जाये। इसकी प्रति महाविद्यालय में प्रस्तुत करने पर ही प्रवेश पर विचार किया जा सकता है।
2. विगत परीक्षा की समस्त अंक सूचियों की प्रमाणित प्रतिलिपि।
3. छत्तीसगढ़ निवासी होने का प्रमाण पत्र।
4. जिस संस्था से परीक्षा पास की है, उसके प्राचार्य द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण पत्र। स्वाध्यायी छात्र सक्षम अधिकारी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें।
5. माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर अथवा दुर्ग विश्वविद्यालय, दुर्ग को छोड़कर अन्य बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं द्वारा प्रवजन प्रमाण पत्र (Migration Certificate) अनिवार्यतः प्रस्तुत किया जाये।
6. यदि प्रवेशार्थी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अथवा पिछड़ा वर्ग से संबंधित है तो उसे जाति विषयक प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

7. गैप प्रमाण पत्र (यदि एक या उससे अधिक सत्र का अन्तराल हो तो)
8. खेल, साहित्यिक, सांस्कृतिक, एन.सी.सी., एन.एस.एस. का प्रमाण पत्र।
9. नियोक्ता का प्रमाण पत्र यदि प्रवेशार्थी कहीं नौकरी करता हो तो उसे अपने नियोक्ता द्वारा प्रदत्त अनापत्ति विषयक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
10. रैगिंग के विरूद्ध वचन पत्र भरना अनिवार्य है।
11. आवेदन पत्र के साथ पासपोर्ट आकार का फोटो जमा करना होगा।
12. उच्च शिक्षा विभाग छ.ग. शासन द्वारा निर्धारित महाविद्यालय में प्रवेश नियम लागू होंगे।

महत्त्वपूर्ण प्रवेश मार्गदर्शी सिद्धांत – हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा समय–समय पर जारी किये जाने वाले प्रवेश संबंधी नियम मार्गदर्शी सिद्धांतों के रूप में लागू होंगे।

1. स्थानांतरण प्रकरण छोड़कर 31 जुलाई तक प्राचार्य स्वयं तथा 14 अगस्त तक कुलपति की अनुमति से प्रतिवर्ष प्रवेश देने में सक्षम होंगे। मुख्य परीक्षा परिणाम विलंब से घोषित होने की स्थिति में प्रवेश की अंतिम तिथि महाविद्यालय में परीक्षा परिणाम प्राप्त होने की तिथि से 10 दिन तक अथवा वि.वि. बोर्ड द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि से 15 दिन तक जो भी पहले हो, मान्य होगा।
2. पुनर्मूल्यांकन में उत्तीर्ण छात्रों को परिणाम घोषित होने के 10 दिन तक, यदि स्थान रिक्त हो तथा आवेदक गुणानुक्रम में आता हो तो प्रवेश दिया जा सकेगा, किन्तु प्रायोगिक विषयक की कक्षाओं में 30 नंवबर के बाद प्रवेश हेतु आयुक्त उच्च शिक्षा की अनुमति आवश्यक होगी।
3. प्राचार्य उन्हें निर्धारित विषय/समूह में निर्धारित प्रवेश संख्या के अनुसार ही प्रत्येक कक्षा में प्रवेश देंगे।
4. प्रवेश हेतु चयनित विद्यार्थियों द्वारा अर्हकारी परीक्षा में प्राप्तांकों एवं जहां अधिभार देय हो, वहां अधिभार देकर कुल प्राप्तांकों की गुणानुक्रम सूची प्रतिशत सहित, सूचना पटल पर लगाई जाएगी। जिसमें प्रवेश शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि की सूचना भी दी जाएगी। प्रवेश सूची की अंतिम तिथि के बाद स्थान रिक्त होने पर सभी कक्षाओं में नियमानुसार प्रवेश हेतु विलंब शुल्क 100/– अशासकीय मद में अतिरिक्त रूप से लिया जाएगा। प्रवेश शुल्क जमा करने की अनुमति प्रवेश हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् संबंधित क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा के अनुमोदनोपरांत ही दी जा सकेगी।

प्रवेश की पात्रता –

1. छ.ग. के मूल/छ.ग. में स्थायी संपत्तिधारी निवासी/राज्य या केन्द्र सरकार के शासकीय कर्मचारी, राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा भारत सरकार द्वारा संचालित व्यावसायिक संगठनों के कर्मचारी जिसका पदांकन छ.ग. में हो, उनके पुत्र/पुत्रियों, जम्मू कश्मीर के विस्थापितों, उनके आश्रितों को ही शासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश दिया जाएगा। उक्त प्रकार से प्रवेश देने के बाद भी स्थान रिक्त होने पर अन्य स्थानों के बोर्ड व अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को नियमानुसार गुणानुक्रम के आधार पर प्रवेश दिया जा सकता है।
2. ऐसे आवेदक जिन्होंने कोई ऐसा पाठ्यक्रम लेकर 10+2 के समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की है, जिसमें संकाय स्पष्ट नहीं किया गया है, विश्वविद्यालय से प्रवेश पात्रता प्रमाण पत्र प्राप्त कर संबंधित संकाय में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकेंगे।
3. अर्हकारी परीक्षा में न्यूनतम अंक सीमा स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु अर्हकारी परीक्षा में पूर्णांक का न्यूनतम 45% एवं सैद्धांतिक विषयों में न्यूनतम 40% अंक प्राप्त आवेदकों को नियमित प्रवेश की पात्रता होगी प्रवेश के लिए न्यूनतम अंक सीमा केवल प्रथम वर्ष स्नातक/स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए ही है। अगली कक्षाओं में प्रवेश हेतु न्यूनतम अंक सीमा लागू नहीं होगी।
4. पूरक परीक्षा में अनुत्तीर्ण/अस्थायी प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों को स्थायी प्रवेश स्वतः निरस्त हो जायेगा।
5. किसी भी महाविद्यालय/विश्वविद्यालय की किसी संकाय की कक्षा में एक बार नियमित प्रवेश लेकर अध्ययन छोड़ देने/अनुत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को उसी संकाय की उसी कक्षा में पुनः प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. यदि किसी विद्यार्थी ने किसी संकाय/ग्रुप में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया है और वह पढ़ाई छोड़ दे या परीक्षा के प्रथम खंड में उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण हुआ है या द्वितीय खंड में अनुत्तीर्ण हुआ है अथवा पढ़ाई छोड़ दे तो ऐसी दशा में उसे नियमित विद्यार्थी के रूप में प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
7. जिनके विरुद्ध न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया हो और न्यायालय में प्रकरण चल रहे हों, परीक्षा में या पूर्व सत्र में विद्यार्थियों/अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ मारपीट करने के गंभीर आरोप हो, ऐसे विद्यार्थियों को तथा महाविद्यालय में तोड़–फोड़ करने और महाविद्यालय की सम्पत्ति नष्ट करने वाले, रैगिंग के आरोपी विद्यार्थियों को प्राचार्य प्रवेश न देने के लिए अधिकृत हैं।

8. स्नातक स्तर पर 22 एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 27 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। सभी अ.जा./अ.ज.जा./पिछड़ा वर्ग/महिला आवेदकों के लिए आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट रहेगी। आयु की गणना एक जुलाई के आधार पर की जाएगी।
9. स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु अर्हकारी के प्राप्तांक एवं अधिभार देय है तो अधिभार जोड़कर प्राप्त कुल प्रतिशत अंकों के आधार पर गुणानुक्रम निर्धारित किया जाएगा। सामान्य एवं आरक्षित वर्गों के लिए अलग–अलग गुणानुक्रम सूची तैयार की जायेगी।
10. प्रथम वर्ष स्नातक/स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश हेतु प्राथमिकता के आधार पर सर्वप्रथम अर्हकारी परीक्षा में उत्तीर्ण नियमित एवं भूतपूर्व नियमित परीक्षार्थी के प्रवेश के पश्चात् स्थान रिक्त होने पर स्वाध्यायी उत्तीर्ण छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा।
11. स्नातक/स्नातकोत्तर अगली कक्षाओं में उपर्युक्त प्राथमिकता में उत्तीर्ण एवं नियमित एवं भूतपूर्व नियमित परीक्षार्थी के बाद एक विषय में पूरक प्राप्त सत्र के नियमित छात्रों के प्रवेश में प्राथमिकता दी जायें, अन्य क्रम यथावत रहेगा।
12. **आरक्षण नीति :–**
    - 12.1. अ.जा. एवं अ.ज.जा. के आवेदक के लिए क्रमशः 12 तथा 32 प्रतिशत होंगे। इन दोनों वर्गों के स्थान आपस में तभी परिवर्तनीय होंगे जब प्राप्त आवेदनों की संख्या 14% प्रतिशत निर्धारित प्रतिशत से कम होगी।
    - 12.2. पिछड़े वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर) के आवेदकों 14% प्रतिशत स्थान आरक्षित होंगे।
    - 12.3. आरक्षित श्रेणी का कोई उम्मीदवार अधिक अंक पाने के कारण सामान्य श्रेणी (ओपन कॉम्पटीशन) में नियमानुसार मेरिट सूची में रख जाता है तो आरक्षित श्रेणी के सीटें यथावत अप्रभावित रहती है, परन्तु यदि ऐसा विद्यार्थी किसी संवर्ग, जैसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सैनिक आदि का भी हो संवर्ग की यह सीट उस आरक्षित श्रेणी में भरी मानी जाएगी और शेष संवर्ग की सीटें भरी जाये।
    - 12.4 सामान्य, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी जाति श्रेणी के स्थानों के अंतर्गत 3% स्थान विकलांगों के लिए आरक्षित रहेंगे।
    - 12.5 प्रवेश के अंतिम तिथि तक आरक्षित स्थानों के लिए पर्याप्त विद्यार्थी उपलब्ध न हों तो आरक्षित स्थान सामान्य श्रेणी के आवेदकों के लिए उपलब्ध रहेंगे।
    - 12.6 आरक्षित स्थान का प्रतिशत 1/2 कम आता है तो आरक्षित स्थान उपलब्ध नहीं होगा। 1/2 प्रतिशत एवं उससे अधिक तथा एक तथा एक से कम प्रतिशत आने पर आरक्षित स्थान एक होगा।
13. प्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय आचरण संहिता का पालन करना अनिवार्य होगा।

अधिभार –

अधिभार मात्र गुणानुक्रम निर्धारण के लिए ही प्रदान किया जाएगा। अर्हकारी परीक्षा के प्राप्तांकों के प्रतिशत पर ही अधिभार देय होगा। अधिभार हेतु समस्त प्रमाण पत्र प्रवेश आवेदन पत्र के साथ ही संलग्न करना अनिवार्य है। आवेदन पत्र जमा करने के पश्चात् बाद में लाए जाने वाले प्रमाण पत्रों पर अधिभार हेतु विचार नहीं किया जाएगा। एक से अधिक अधिभार प्राप्त होने पर मात्र सर्वाधिक अधिभार ही देय होगा। परन्तु इस प्रकार की सुविधा दूसरी बार प्राप्त करने के लिए उन्हें उपलब्धि पुनः प्राप्त करना आवश्यक होगा।

संकाय/विषय/ग्रुप परिवर्तन –

1. यदि कोई स्नातक/स्नातकोत्तर अर्हकारी परीक्षा के संकाय/विषय/ग्रुप परिवर्तन कर प्रवेश चाहे तो उसके प्राप्तांकों से 5% घटाकर गुणानुक्रम निर्धारित किया जायेगा। अधिभार घटे हुए प्राप्तांकों पर देय होगा।
2. महाविद्यालय में एक बार प्रवेश लेने के बाद सत्र के दौरान संकाय/विषय/ग्रुप परिवर्तन की अनुमति 30 सितम्बर तक या विलंब मुख्य परीक्षा परिणाम आने पर प्रवेश की अंतिम तिथि से 15 दिन तक की जाएगी। यह अनुमति उन्हीं को देय होगी जिनके प्राप्तांक संबंधित/संकाय के मूल गुणानुक्रम सूची में अंतिम प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी के समकक्ष या अधिक हो।
3. संकाय/विषय/ग्रुप परिवर्तन हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के बाद संबंधित परिवर्तन की अनुमति आयुक्त के अनुमोदन के उपरांत ही दी जा सकेगी।

अतिरिक्त प्रायोगिक कक्षाओं हेतु शुल्क –
(अमहाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये)

बी.एस-सी. प्रायोगिक विषयों में प्रवेश पाने वाले अमहाविद्यालयीन छात्र–छात्राओं के लिए विशेष प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इन कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय का प्रवेश फार्म भरना होगा तथा निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

1)	बी.एस-सी.	–	जीव विज्ञान समूह (तीन विषय)	– 500.00
2)	बी.एस-सी.	–	गणित समूह (दो विषय)	– 500.00

प्रवेश पत्र का उपयोग –

महाविद्यालय में प्रवेश मिलने के साथ ही प्राप्त प्रवेश पत्र में समस्त देय शुल्कों का पूरा विवरण भी रहता है। अतः सभी छात्र–छात्राओं को चाहिए कि वे अपने प्रवेश पत्र सावधानीपूर्वक रखें।

छात्र–छात्राओं को प्रत्येक शुल्क का भुगतान करते समय अपना प्रवेश पत्र प्रस्तुत करना होगा। प्रवेश पत्र प्रस्तुत किये बिना महाविद्यालय द्वारा कोई भी शुल्क स्वीकृत नहीं होगा। यह विद्यार्थियों के हित में है कि वे शुल्क का भुगतान करते समय इस बात की जांच कर लें कि प्रवेश पत्र में संबंधित प्रविष्टियां सही की गई हैं।

प्रवेश पत्र खो जाने की अवस्था में छात्र–छात्राओं को 15.00 रूपये जमा करके नया (डुप्लीकेट) प्रवेश पत्र प्राप्त करना होगा।

परिचय पत्र एवं उपयोग –

प्रत्येक छात्र–छात्रा को महाविद्यालय में प्रवेश लेने पर एक परिचय पत्र दिया जायेगा। छात्र–छात्राओं को महाविद्यालय में हमेशा यह परिचय पत्र अपने पास रखना होगा तथा सक्षम अधिकारी द्वारा माँगने पर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा। मांगे जाने पर परिचय पत्र प्रस्तुत न किये जाने की अवस्था में छात्र–छात्रा को कक्षा अथवा महाविद्यालय समारोह में सम्मिलित होने से रोका जा सकता है। परिचय पत्र प्रस्तुत किये जाने पर ही संबंधित छात्र–छात्रा पुस्तकालय से पुस्तकें निर्गमित कर सकते हैं।

- स्थानांतरण पत्र अथवा सुरक्षा निधि की वापसी के समय भी परिचय पत्र प्रस्तुत करना होगा।
- परिचय पत्र खो जाने की अवस्था में छात्र–छात्रा को 15.00 रूपये शुल्क जमा करने पर परिचय पत्र की प्रति प्राप्त हो सकेगी।

शुल्क संबंधी रियायतें –

कृषकों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भूतपूर्व सैनिक, (स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों), तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग शासकीय कर्मचारी के पुत्र–पुत्रियों, शारीरिक रूप से दिव्यांग, भाई–बहन संबंध के कारण शुल्क में रियायत दी जाती है। तत्संबंधी पूर्ण जानकारी कार्यालय से सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

छात्रवृत्ति एवं अन्य सुविधाएं –

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, बी.पी.एल., एकीकृत सह–साधन छात्रवृत्ति, निर्धारित योग्यता के आधार की छात्रवृत्तियाँ छात्र–छात्राओं को दी जाती है। संबंधित छात्र–छात्राएं पूर्ण जानकारी के लिए कार्यालय में संपर्क करें।

उड़ान :– महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, ग्रंथपाल और क्रीड़ाधिकारी ने आपस में मिलकर स्वेच्छा से 'उड़ान' नाम की एक संस्था गठित की है जो आर्थिक रूप से कमजोर छात्र–छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु आर्थिक मदद देने के साथ–साथ उचित माहौल का निर्माण करेगी। विद्यार्थियों की मदद के लिए इस संस्था में एक वर्ष में लगभग 1 लाख रूपये की राशि इक्कठ्ा की जायेगी।

सेनेटरी नैपकिन वेण्डिंग मशीन :– महाविद्यालय में इस वर्ष से ग्रामीण क्षेत्र के छात्राओं की स्वच्छता और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मुख्यमन्त्री शुचिता योजना के अन्तर्गत सेनेटरी नैपकिन वेण्डिंग मशीन लगायी गयी है, जिसमें एक–एक रूपये के दो सिक्के डालकर छात्राएँ अत्यंत कम मूल्य पर सेनेटरी नैपकिन प्राप्त कर सकती हैं।

जिम की सुविधा :– छात्र–छात्राओं के शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए व्यायाम हेतु जिम की व्यवस्था है। नियत समय पर जिम का उपयोग कर विद्यार्थी स्वास्थ्य का लाभ उठा सकते हैं।

स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की सुविधा :– महाविद्यालय में स्वच्छ एवं शीतल जल के लिए जगह–जगह पर एक्वागार्ड मशीन और वाटर कूलर की व्यवस्था की गयी है।

विश्वविद्यालय के उपस्थिति संबंधी नियम

हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के नियमानुसार नियमित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालयीन परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता के लिए न्यूनतम 75% उपस्थिति आवश्यक है। इस प्रावधान का पालन दृढ़ता से किया जायेगा। इससे कम उपस्थिति होने पर कॉलेज से निष्कासन अथवा परीक्षा में बैठने से भी रोका जा सकता है।

अनुशासन संबंधी विश्वविद्यालय अधिनियम

मध्यप्रदेश महाविद्यालय अधिनियम 1973 के अधीन बनाये गये अध्यादेश क्रमांक 7 की धारा 13 के अनुसार महाविद्यालय के विद्यार्थी द्वारा महाविद्यालय में अथवा बाहर अनुशासन भंग किये जाने पर ऐसे छात्र–छात्राओं के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए प्राचार्य सक्षम हैं। अनुशासनहीनता के लिए उक्त अध्यादेश में निम्नांकित दंड का प्रावधान है –

1. निलम्बन 2. निष्कासन 3. विश्वविद्यालय परीक्षा में सम्मिलित होने से रोकना।

पुस्तकालय के सामान्य नियम

1. विद्यार्थी एक समय में पुस्तकालय से 14 दिनों के लिए दो पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं।
2. इस अवधि के पश्चात् पुस्तक वापस नहीं करने वालों को विलंब के लिए प्रतिदिन 1रु. प्रति पुस्तक के हिसाब से अर्थदंड देय होगा।
3. विद्यार्थियों को चाहिए कि पुस्तकें निर्गमित कराते समय पुस्तकों का सावधानीपूर्वक निरीक्षण कर लें और पुस्तक के पृष्ठ कटे या फटे या कोई पृष्ठ न होने पर ग्रंथपाल को तत्काल सूचित कर उनके हस्ताक्षर करवा लें।
4. पुस्तकालय की पुस्तकों में लिखना, रेखांकित करना, पृष्ठ निकालना या किसी प्रकार की क्षति पहुंचाना दंडनीय है।
5. छात्र–छात्राओं को यह सुझाव दिया जाता है कि वे पुस्तकालय के सभी नियमों एवं सूचनाओं से स्वतः अवगत रहें।
6. छात्र–छात्राओं से यह अपेक्षा की जाती है कि पुस्तकालय में शांति बनाये रखें तथा अनुशासित एवं मर्यादित रहें।

टीप – एम.ए. हिन्दी, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं एम.एस–सी. वनस्पति शास्त्र के स्नातकोत्तर एवं शोध छात्रों को अवगत किया जाता है कि पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. के पं. सुंदर लाल ग्रंथागार में INFLIBNET की सुविधा उपलब्ध है। जिसके माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की 077500 शोध पत्रिकाएं (सभी विषयों) की उपलब्ध हैं। अतः विभिन्न अध्ययन, अनुसंधान कार्य के लिए विश्वविद्यालय ग्रंथपाल की अनुमति से INFLIBNET सुविधा का उपयोग किया जा सकता है।

इस हेतु संपर्क निम्न नम्बरों पर किया जा सकता है। 9425228456, 9893270311

शैक्षणिक सत्र 2019–20 का अकादमिक कैलेण्डर

कार्यालय, संयुक्त संचालक, उच्च शिक्षा संचालनालय, अटल नगर, रायपुर का प. क्रं. 2468/886/आउशि/सम/2019 दिनांक 24.05.2019 के अनुसार –

1.	प्रवेश प्रक्रिया (प्राचार्य का अधिकार)	–	01.06.2019 से 30.06.2019
	अ. स्नातक प्रथम वर्ष हेतु		(स्थान रिक्त होने पर 31 जुलाई)
	ब. अन्य कक्षाओं हेतु		16.06.2019 से 15.07.2019
2.	कुलपति की अनुमति से प्रवेश की अंतिम तिथि	–	31.07.2019
3.	नियमित कक्षायें प्रारम्भ	–	01.07.2019
4.	वार्षिक परीक्षा परिणामों की घोषणा	–	16.06.2020
5.	पुनर्मूल्यांकन के सभी परिणामों की घोषणा	–	30.08.2020
6.	पूरक परीक्षा का आयोजन	–	30 सितम्बर तक
7.	पूरक परीक्षा के परिणामों की घोषणा	–	31.10.2020

छात्रसंघ गतिविधियाँ :–

1.	छात्रसंघ गठन चुनाव प्रक्रिया एवं शपथ ग्रहण	–	22.08.2019 से 31.08.2019

खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ :–

1.	खेलकूद प्रतिस्पर्धा प्रारंभ (इंडोर, आउटडोर)	–	17.07.2019 से
2.	खेलकूद प्रतिस्पर्धा का समापन (इंडोर, आउटडोर)	–	20.12.2019 तक
3.	महाविद्यालय स्तर पर खेलकूद (इंडोर, आउटडोर) का वार्षिक आयोजन एवं पुरस्कार वितरण	–	21, 22, 23 दिसम्बर 2019 में कोई दो दिन

एन.सी.सी./एन.एस.एस. एवं अन्य गतिविधियाँ :–

1.	वृक्षारोपण कार्यक्रम	–	जुलाई 2019 का द्वितीय सप्ताह
2.	कैम्प	–	14.10.2019 से 23.10.2019 के मध्य
3.	महाविद्यालय स्तर पर वार्षिकोत्सव का आयोजन	–	21, 22 एवं 23 दिसम्बर 2019 में से कोई एक दिन
4.	एन.सी.सी एवं एन.एस.एस. कैम्प	–	24.12.2019 से 31.12.2019
5.	दीक्षान्त समारोह	–	माह दिसम्बर 2019/जनवरी 2020

विभिन्न अवकाश :–

1.	दशहरा अवकाश (3 दिन)	–	07.10.2019 से 09.10.2019
2.	दीपावली अवकाश (5 दिन)	–	25.10.2019 से 29.10.2019
3.	शीतकालीन अवकाश (4 दिन)	–	24.12.2019 से 27.12.2019
4.	ग्रीष्मकालीन अवकाश (20 दिन)	–	16.05.2020 से 04.06.2020 तक

आंतरिक परीक्षाओं का कार्यक्रम :–

1.	प्रथम यूनिट परीक्षा	–	01.08.2019
2.	द्वितीय यूनिट परीक्षा	–	31.08.2019
3.	प्रथम सत्र परीक्षा	–	26, 27, 28 सितम्बर 2019
4.	तृतीय यूनिट परीक्षा	–	04.11.2019
5.	द्वितीय सत्र परीक्षा	–	27, 28, 29 नवम्बर 2019
6.	चतुर्थ यूनिट परीक्षा	–	19.12.2019
7.	प्री–फाइनल परीक्षा	–	22, 23, 24 जनवरी 2020

वार्षिक परीक्षा कार्यक्रम :–

1.	वार्षिक प्रायोगिक परीक्षाओं का आयोजन	–	17.02.2020 से 28.02.2020
2.	वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन	–	04.03.2020 से 30.04.2020

अध्यापन कार्य दिवस (सामान्य अवकाश छोड़कर) :–

2019, जुलाई	:	27	2019, अगस्त	:	24
2019, सितम्बर	:	24	2019, अक्टूबर	:	18
2019, नवम्बर	:	25	2019, दिसम्बर	:	20
2020, जनवरी	:	27	2020, फरवरी	:	25

शिक्षक के कर्त्तव्य :–

प्रत्येक कार्य दिवस पर शिक्षक को महाविद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग में 07 घंटे रुकना आवश्यक होगा।

1. प्रातः कालीन पाली के लिए : प्रातः 7:30 से 2:30 अपराह्न
2. द्वितीय कालीन पाली के लिए : प्रातः 10:30 से 5:30 अपराह्न
3. 7 घंटे का ब्रेकअप (मुख्यमन्त्री युवा जीवन कौशल विकास योजना भी शामिल) : 6 घंटे अध्ययन–अध्यापन कार्य (प्रायोगिक, ट्यूटोरियल, रेमेडियल, शोध–कार्य, लाईब्रेरी वर्क सम्मिलित) (मुख्यमन्त्री युवा जीवन कौशल विकास योजना भी शामिल) 1 घंटा अन्य कार्य (खेलकूद, रिक्रयेशन, प्राचार्य द्वारा प्रदत्त कार्य, पाठ्यक्रम पुनरावलोकन में प्रत्येक शिक्षक का एक घंटा अतिरिक्त कक्षाएँ लेकर विद्यार्थियों का शंका समाधान करेंगें।)
4. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षाओं के संचालन एवं उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के संबंध में दिए कार्य का निष्पादन करेंगे।

टीप :– **छ.ग. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में हेल्प डेस्क का गठन कर, शासन द्वारा जारी निर्देश का पालन करना सुनिश्चित करें।**

उन्नति की कामना करने वाले को निद्रा, तंद्रा, भय, क्रोध, आलस्य और दीर्घसूत्रता एक साथ कई काम करना आदि का त्याग करना चाहिए- हितोपदेश

नियमित विद्यार्थी के रूप में वार्षिक परीक्षा में बैठने की पात्रता :–

1. प्रत्येक विषय में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।
2. कुल 7 आंतरिक परीक्षाओं में से कम से कम 5 में सम्मिलित होना आवश्यक।
3. एन.सी.सी./एन.एस.एस. कैम्प/खेलकूद/राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में सम्मिलित हुए छात्रों को उपस्थित माना जावेगा।
4. उपस्थिति की प्रथम गणना 31.10.2019 तक की जावेगी।
5. कम उपस्थिति वाले छात्रों को तथा उनके पालकों को सूचना दी जावेगी।
6. उपस्थिति की द्वितीय गणना 15.02.2020 तक की जावेगी।

Academic Schedule for Semester Courses :-

S.N.	Activity	Semester I/III/V/VII/IX	Semester II/IV/VI/VIII/X
		Date	Date
1	Admission Process	June 17 to 30 June	------
2	Commencement of the Classes	01 July	December 31
3	Meeting, Examination Committee	August 03-14	January 16-31
4	Name of Practical Examiner (External) Should be to Head of SoS	September 03-10	February 21-28
5	Completion of Theory Courses	November 08	April 16
6	Practical Examination P.G./U.G.	November 15-22	April 18-30
7	Preparation Leave	Novermber 23-30	May 1-08
8	Theory Examination	December 1-24	May 9-31
9	Semester Break/Declaration of Results	December 25-31	June 1-16

क्या है रैगिंग?

"कोलाहलपूर्ण अनुचित व्यवहार करना, चिढ़ाना, भद्दे या अशिष्ट आचरण करना, उपद्रवी या अनुशासनहीन क्रियाकलापों में संलग्न होना, जिससे नये छात्र को गुस्सा, अनावश्यक परेशानी, शारीरिक अथवा मानसिक क्षति हो अथवा उसमें आशंका या भय बढ़े। छात्रों से ऐसा कार्य करने के लिये कहना, जो छात्र–छात्रा नहीं कर सकता/सकती और जिससे उसे शर्म या अपमान का अनुभव होता हो अथवा उसके जीवन के लिये खतरा हो।"

इसमें लिप्त होने पर दण्ड

प्रवेश निरस्त किया जाना, छात्रवृत्ति या अन्य सुविधाओं से वंचित करना, परीक्षा परिणाम रोकना, युवा उत्सव में सभी स्तरों पर भाग लेने पर प्रतिबन्ध, संस्था से निष्कासन, पाँच वर्ष की सजा अथवा रु. 5000/– (रु. पाँच हजार) का आर्थिक दण्ड या दोनों ही देना आदि।

अहंकारी व्यक्ति कभी क्षमा नहीं मांग सकता, कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता
क्षमा मांगना नम्र व्यक्ति का गुण है, और क्षमा करना शक्तिशाली व्यक्ति का गुण

शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई, दुर्ग (छ.ग.)
सांस्कृतिक कैलेण्डर–2019–20

क्रं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि	दिन	संम्बन्धित विभाग / समिति / प्रकोष्ठ
1	विश्व योग दिवस	21.06.2019	शुक्रवार	क्रीड़ा विभाग / एन0सी0सी0 / एन0एस0एस0 एवं महाविद्यालय परिवार
2	विश्व जनसंख्या दिवस	11.07.2019	गुरुवार	वाणिज्य, अर्थशास्त्र एवं समाजशास्त्र विभाग
3	गुरु पूर्णिमा (व्यास जयंती)	16.07.2019	मंगलवार	हिन्दी विभाग एवं साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद्
4	मुंशी प्रेमचन्द जयंती	31.07.2019	बुधवार	हिन्दी विभाग और साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद्
5	महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जयंती	07.08.2019	बुधवार	हिन्दी विभाग और साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद् (संयुक्त रूप से)
6	स्वतंत्रता दिवस	15.08.2019	गुरुवार	एन0सी0सी0, एन0एस0एस0 एवं क्रीड़ा विभाग (संयुक्त रूप से)
7	सद्भावना दिवस	20.08.2019	मंगलवार	एन0सी0सी0, एन0एस0एस0 एवं क्रीड़ा विभाग (संयुक्त रूप से)
8	आचार्य अर्चना पर्व (शिक्षक सम्मान प्रसंग)	05.09.2019	गुरुवार	विद्यार्थी समूह, एन0एस0एस0 और साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद् (संयुक्त रूप से)
9	विश्व साक्षरता दिवस	10.09.2019	मंगलवार	राष्ट्रीय सेवा योजना
10	राष्ट्रभाषा गौरव प्रसंग	14.09.2019	शनिवार	हिन्दी विभाग
11	विश्व ओजोन दिवस	16.09.2019	सोमवार	विज्ञान संकाय (संयुक्त रूप से)
12	राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस	24.09.2019	मंगलवार	एन0एस0एस0
13	विश्व वृद्धजन समादर दिवस एवं स्वैच्छिक रक्तदान दिवस	01.10.2019	मंगलवार	समाजशास्त्र विभाग, एन0सी0सी0, एन0एस0एस0 (संयुक्त रूप से)
14	महात्मा गाँधी जन्म दिवस	02.10.2019	बुधवार	राजनीति शास्त्र विभाग, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद्
15	भारतीय नौसेना दिवस	04.10.2019	शुक्रवार	एन0सी0सी0
16	आदिकवि वाल्मीकि जयंती (शरद पूर्णिमा)	13.10.2019	रविवार	हिन्दी विभाग और साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद्
17	विश्व खाद्य दिवस	16.10.2019	बुधवार	वाणिज्य संकाय एवं अर्थशास्त्र विभाग (संयुक्त रूप से)
18	राष्ट्रीय गणित दिवस	22.10.2019	मंगलवार	विज्ञान संकाय (संयुक्त रूप से)
19	इंदिरा गाँधी बलिदान दिवस (कौमी एकता दिवस)	31.10.2019	गुरुवार	राजनीति शास्त्र विभाग, समाजशास्त्र और साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद् (संयुक्त रूप से)
20	सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस)	31.10.2019	गुरुवार	राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र विभाग और साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद् (संयुक्त रूप से)
21	महाकवि कालिदास जयंती	08.11.2019	शुक्रवार	हिन्दी विभाग और साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद्
22	मुक्तिबोध स्मरण दिवस	13.11.2019	बुधवार	हिन्दी विभाग और साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद्
23	श्रीमती इन्दिरा गाँधी जयंती (कौमी एकता दिवस)	19.11.2019	मंगलवार	एन0सी0सी0 एवं एन0एस0एस0 (संयुक्त रूप से)
24	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	21.11.2019	गुरुवार	साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद्
25	संविधान दिवस	26.11.2019	मंगलवार	राजनीति शास्त्र एवं समाजशास्त्र विभाग (संयुक्त रूप से)
26	विश्व एड्स दिवस	01.12.2019	रविवार	एन0सी0सी0 एवं एन0एस0एस0 (संयुक्त रूप से)
27	गीता जयंती (मोक्षदा एकादसी)	08.12.2019	रविवार	हिन्दी विभाग और साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद्
28	मानवाधिकार दिवस	10.12.2019	मंगलवार	राजनीति शास्त्र एवं समाजशास्त्र विभाग (संयुक्त रूप से)
29	ऊर्जा संरक्षण दिवस	12.01.2020	रविवार	विज्ञान परिषद् (विज्ञान के समस्त विभाग संयुक्त रूप से)
30	राष्ट्रीय युवा दिवस (स्वामी विवेकानंद दिवस)	12.01.2020	रविवार	एन0एस0एस0 एवं एन0सी0सी0 (संयुक्त रूप से)
31	मतदाता जागरूकता दिवस	25.01.2020	शनिवार	राजनीति शास्त्र विभाग
32	गणतंत्र दिवस	26.01.2020	रविवार	एन0सी0सी0, एन0एस0एस0 एवं क्रीड़ा विभाग (संयुक्त रूप से)
33	शहीद दिवस	30.01.2020	गुरुवार	समस्त विभाग, महाविद्यालय परिवार
34	मातृ–पितृ पूजन दिवस	14.02.2020	शुक्रवार	समाजशास्त्र विभाग और साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद्
35	विज्ञान दिवस	28.02.2020	शुक्रवार	विज्ञान परिषद् (विज्ञान के समस्त विभाग संयुक्त रूप से)
36	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	08.03.2020	रविवार	महिला प्रकोष्ठ, राजनीति शास्त्र विभाग, इतिहास विभाग तथा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद्
37	भगत सिंह शहादत दिवस	23.03.2020	सोमवार	राजनीति शास्त्र विभाग एवं साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद्
38	विश्व पृथ्वी दिवस	22.04.2020	बुधवार	विज्ञान परिषद् एवं एन0एस0एस0

विशेष :– यदि किसी कार्यक्रम की तिथि शासकीय अवकाश के दिन पड़ रही है, तो उसे अन्य तिथि को आयोजित कर मनाया जाएगा जब अवकाश न हो।

महाविद्यालय परिवार–1 (अकादमिक स्टाफ)

फोटो	नाम एवं उपाधि	पद एवं मुख्य दायित्व	विशेष
	डॉ. महेशचन्द्र शर्मा एम.ए. संस्कृत, एम.ए. हिन्दी, एम.ए. भाषा विज्ञान पी–एच.डी. (बौद्ध काव्य) तथा डी. लिट् (धर्म और राजनीति)	महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक	समग्र समन्वयक
	डॉ. अरुण कुमार मिश्रा एम.एस–सी. पी–एच.डी.	प्राध्यापक एवं अध्यक्ष गणित विभाग	प्रभारी स्टाफ कौन्सिल, विकास निधि, एंटी रैगिंग, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ, अनुशासन समिति, क्रयसमिति, जनभागीदारी प्रबंध समिति, प्रवेश समन्वयक बी.एस–सी., सूचना का अधिकार
	डॉ. ए. ए. खान एम.ए. पी–एच.डी.	प्राध्यापक एवं अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग	प्रभारी छात्रसंघ, आई.क्यू.ए.सी., छात्रवृत्ति, पालक शिक्षक समिति, भूतपूर्व छात्र–छात्रा समिति, प्रवेश समन्वयक–कला
	पद रिक्त	प्राध्यापक	समाजशास्त्र विभाग
	पद रिक्त	प्राध्यापक	राजनीति शास्त्र विभाग
	डॉ. (श्रीमती) मधुलिका रॉय एम.एम–सी. पी–एच.डी.	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष प्राणीशास्त्र, बायोटेक्नोलॉजी	प्रभारी यू.जी.सी., लोकसेवा अधिनियम, समय सारिणी, महिला उत्पीड़न शिकायत समिति, कैरियर गाइडेंस सेल, वेतन निर्धारण, आंतरिक परीक्षा, संविदा सूक्ष्म जाँच, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना
	डॉ. (श्रीमती) शुभा शर्मा एम.ए. पी–एच.डी.	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग	प्रभारी स्वच्छता समिति, महाविद्यालय अधोसरंचना समिति, ग्रंथालय समिति महाविद्यालय अपलेखन समिति, सदस्य–आंतरिक परीक्षा संचालन समिति, पालक समिति/भूतपूर्व छात्र–छात्राओं की समिति
	डॉ. (श्रीमती) पी. वसंतकला एम.ए. पी–एच.डी.	सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी विभाग	प्रभारी वेतनबिल, एरियर समिति, आयकर, लेखा एवं निरीक्षण, प्रवेश–बी.ए. द्वितीय वर्ष, सदस्य–छात्रसंघ, कैरियर गाइडेन्स, सूचना का अधिकार, आई.क्यू.ए.सी.
	डॉ. सियाराम शर्मा एम.ए., एम.फिल, पी–एच.डी.	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग	प्रभारी साहित्यिक–सांस्कृतिक, मीडिया, पत्र–पत्रिका, युवा उत्सव, समय–सारिणी, सदस्य–साफ–सफाई समिति, पालक समिति/भूतपूर्व छात्र–छात्राओं की समिति, ग्रंथालय समिति, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ समिति
	डॉ. ए. के. श्रीवास्तव एम.एस–सी., पी–एच.डी.	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष वनस्पति शास्त्र, माइक्रोबायोलॉजी	सदस्य अधोसंरचना समिति, क्रय समिति समय सारिणी, जनभागीदारी, प्रबंध समिति, छात्रसंघ, वेतन निर्धारण, पालक समिति, संविदा सूक्ष्म जाँच, मीडिया समिति, ग्रंथालय

अतीत पर ध्यान मत दो भविष्य के बारे में मत सोचो अपने मन को वर्तमान क्षण में केंद्रित करो – स्वामी विवेकानंद

	डॉ. (श्रीमती) विद्या पंचांगम एम.ए. पी–एच.डी.	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष समाजशास्त्र	प्रभारी उद्यान समिति, यूथ रेडक्रॉस सोसायटी
	डॉ. (श्रीमती) राजबाला गुरु एम.ए. पी–एच.डी.	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष राजनीति विज्ञान	सदस्य उद्यान समिति, यूथ रेडक्रॉस, जनभागीदारी समिति, अपलेखन समिति
	श्रीमती अर्चना पाण्डेय एम.ए., एम.फिल्.	सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र विभाग	सदस्य यू.जी.सी., अपलेखन समिति, यूथ रेडक्रॉस, साहित्यिक–सांस्कृतिक, साफ सफाई समिति, खेलकूद समिति, महिला उत्पीड़न निवारण समिति
	डॉ. (श्रीमती) रीता गुप्ता एम.ए. पी–एच.डी.	सहायक प्राध्यापक हिन्दी विभाग	सदस्य साहित्यिक–सांस्कृतिक समिति, विकास निधि, छात्रवृत्ति, महिला उत्पीड़न शिकायत निवारण समिति, युवा उत्सव, भूतपूर्व छात्र–छात्रा समिति, संविदा सूक्ष्म जाँच समिति, ग्रंथालय समिति
	लेफ्टिनेंट डॉ. (श्रीमती) अनुसूईया जोगी एम.ए. पी–एच.डी.	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष इतिहास विभाग	एन.सी.सी. अधिकारी, सदस्य खेलकूद समिति, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति, महिला उत्पीड़न शिकायत निवारण समिति
	डॉ. पंकज सोनी एम.एस–सी., पी–एच.डी.	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष रसायन शास्त्र विभाग	स्वीप प्रभारी सदस्य वेबसाईट, जनभागीदारी प्रबंध समिति, कैरियर गाइडेंस सेल, पालक समिति, सलाहकार समिति, महाविद्यालय अधोसंरचना समिति, आई.क्यू.ए.सी.
	श्री राकेश मिंज एम.कॉम.	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष वाणिज्य विभाग	प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना, ग्रंथालय सदस्य–वेतन–एरियर्स समिति, समय सारिणी, जनभागीदारी वित्त समिति, छात्रवृत्ति, साहित्यिक–सांस्कृतिक, युवा उत्सव
	श्री संदीप कुमार सोनी एम.एस–सी. भौतिकशास्त्र	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष भौतिक शास्त्र विभाग	सदस्य प्रवेश समिति
	श्री अब्दुल हबीब कुरैशी एम.एस–सी., एम.लिब.	पुस्तकालयाध्यक्ष	प्रभारी–खेलकूद, सदस्य–बाउण्ड्रीवॉल समिति
	पद रिक्त	क्रीड़ाधिकारी	

आचिनोति हि शास्त्रान्, आचारे स्थापयत्यपि।
स्वयमाचरति यस्मात्, तस्माद आचार्य कश्यते।।

अर्थात् – शास्त्रवचनों को चुनता है, उन पर आचरण भी करता है और अन्यों के आचार–व्यवहार में उक्त आदर्शों को स्थापित भी करता है। इसलिये शिक्षक को आचार्य कहा जाता है।

ब्लैक कलर भावनात्मक रूप से बुरा होता है। लेकिन हर ब्लैक बोर्ड विद्यार्थी की जिंदगी ब्राइट बनाता है - डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

महाविद्यालय परिवार–2 (प्रशासनिक कार्यालयीन स्टाफ)

फोटो	नाम	पद एवं मुख्य दायित्व
	श्री ललित कुमार सोनटके	सहायक ग्रेड–1 मुख्य लिपिक / लेखापाल, कार्यालय लेखा सम्बन्धी समस्त कार्य मुख्य लिपिक
	पद रिक्त	सहायक ग्रेड–2
	श्रीमती गिरिजा सोनी	सहायक ग्रेड–3 भण्डार लिपिक एवं प्राचार्य निर्दिष्ट अन्य कार्यालयीन कार्य
	पद रिक्त	सहायक ग्रेड–3
	पद रिक्त	सहायक ग्रेड–3 (संविदा)
	श्री व्ही. जे. राय	प्रयोगशाला तकनीशियन (वनस्पति शास्त्र विभाग) यू.जी.सी. लेखा आदि
	श्री आर. सी. भतपहरी	प्रयोगशाला तकनीशियन (रसायन शास्त्र विभाग) टी.सी. आदि
	श्री व्ही. के. आर्य	प्रयोगशाला तकनीशियन (भौतिक शास्त्र विभाग) छात्रवृत्ति, वेतन, एन.एस.एस. लेखा, आई. क्यू.ए.सी. सेल सहायक आदि
	श्री पीयूष कुमार शार्वा	प्रयोगशाला तकनीशियन (प्राणी शास्त्र विभाग) सूचना तकनीक आदि
	कु. नगीना रावटे	प्रयोगशाला परिचारक (भौतिक शास्त्र विभाग) सेनेटरी नैपकिन वेडिण्ग मशीन परिचालन आदि
	श्री हिमांशु कौशिक	प्रयोगशाला परिचारक (वनस्पति शास्त्र विभाग) एवं प्राचार्य आदेशित अन्य शासकीय कार्य आदि
	पद रिक्त	प्रयोगशाला परिचारक
	श्री शोभा राम कुर्रे	भृत्य
	श्रीमती सरोजनी यादव	भृत्य
	श्री राधेश्याम ध्रुव	बुक लिफ्टर
	पद रिक्त	चौकीदार
	श्री एन. मालकोन्डैया	स्वच्छक

सपना वह नहीं जो आप नींद में देखते हैं। यह तो ऐसी चीज है जो आपको नींद ही नहीं आने देती – डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

मीडिया में महाविद्यालय 2019–2020 (अ)

ज्ञान, भक्ति, कर्म का समन्वय है गीताः शर्मा

पर्यावरण के प्रति सजगता ही सच्ची देशभक्तिः डॉ. शर्मा

कैंपस हलचलः उतई कॉलेज में महिला कानूनों पर विचारोत्तेजक व्याख्यान

नारी-गरिमा की सुरक्षा हमारा दायित्व

पर्यावरण रक्षा बने वोट बैंक का आधार

प्रकृति को उपभोग के साधन मानने की प्रवृत्ति से मुक्त होने की आवश्यकता है

अनाचार और अत्याचार को न सहन करें

कैडेट्स को सेना के जवानों की तरह चुनौती का सामना करने की दी सीख

सीनियर का भाषण में चुनौतियों को स्वीकारने कैडेट्स को दी प्रेरणा

उतई कॉलेज में खेलकूद कबड्डी में कला संकाय विजयी

छात्रों में हो अर्जुन जैसी एकाग्रता : डॉ. शर्मा

IQAC meeting held in Govt DT College

सीमित प्राकृतिक संसाधनों और बढ़ती जनसंख्या के बीच आदर्श अनुपात जरूरी- डॉ. शर्मा

उतई कॉलेज की उन्नति में सबका सहयोग

उच्च शिक्षा के विकास की असीम संभावनाएँ- डॉ. शर्मा

उतई महाविद्यालय में निबंध, चित्रकला, नारा लेखन का आयोजन

100 मूर्ख पुत्रों से एक गुणी बेटी अधिक बेहतर, फर्क करना बंद करें

सोने की तरह ही सभी को अपने चरित्र में चमक बरकरार रखने की जरूरत : शर्मा

उतई महाविद्यालय में गीता और विद्यार्थी पर उपदेशात्मक कार्यक्रम

खेलकूद जीवन का अभिन्न अंग -डॉ. शर्मा

विद्यार्थियों में हो अर्जुन जैसी एकाग्रताः आचार्य शर्मा

उतई महाविद्यालय में खेलकूद की वार्षिक स्पर्धा

अब कॉलेजियंस भरेंगे नई उड़ान

उतई महाविद्यालय को ग्रामीण क्षेत्र का उत्कृष्ट कॉलेज बनाएं

एनसीसी कैडेट्स ने जीते स्वर्ण पदक

उतई महाविद्यालय में सेमिनार

तंबाकू मतलब अंधकार, तबाही और बर्बादी

मुंशी प्रेमचंद और गुप्त की रचनाओं में अतीत वर्तमान और भविष्य का है चिंतन : डॉ. शर्मा

उपजीव्य ग्रंथ समाज को दिशा देने में सक्षम

प्रकृति को उपभोग के साधन मानने की प्रवृत्ति से मुक्त होने की आवश्यकता है : आचार्य डॉ शर्मा

नरवा, गरुवा, घुरुवा और बारी को बचाने से बचेगा पर्यावरण

उपजीव्य ग्रंथ आज भी हमारे समाज को दिशा देने में सक्षम : डॉ. शर्मा

मेधावी विद्यार्थियों को उड़ान उपलब्ध कराएगी प्रतियोगी परीक्षाओं पर मार्गदर्शन, पुस्तकें और नोट्स : आचार्य डॉ. शर्मा

स्वर्ण की भांति आपके चरित्र में हमेशा बरकरार रहे चमक : आचार्य डॉ. शर्मा

महाविद्यालय के कैडेट्स को कैम्प में मिले स्वर्ण पदकों पर की हौसला अफजाई

मिले स्वर्ण पदकों पर हौसला अफजाई

'महाभारत' भारतीय संस्कृति के महान ग्रंथों में से एक

किसी मकसद के लिए खड़े हो तो पेड़ की तरह, गिरो तो एक बीज की तरह ताकि दुबारा उठकर उसी मकसद के लिए फिर से जंग कर सको- स्वामी विवेकानंद

मीडिया में महाविद्यालय 2019–2020 (ब)

भारतीय समाज में आला दर्जा रखती हैं बेटियां : डॉ. शर्मा

उतई कॉलेज में खेलकूद कबड्डी में कला संकाय विजयी

उतई कॉलेज में मनाया विश्व दुहिता दिवस

आयोजन: उतई महाविद्यालय में विचारोत्तेजक वाद-विवाद प्रतियोगिता

वाद-विवाद और संवाद से मजबूत होता है लोकतंत्र: डॉ. महेश शर्मा

शासकीय दानवीर तुलाराम कॉलेज में शामिल हुए अतिथिगण

बेटियों का आत्म विश्वास बढ़ाने की जरूरत

इस दीपावली आप भी जरूर फैलाएं मतदान का प्रकाश

हिंदी कॅरियर की नहीं, संस्कार की भाषा है

राष्ट्रीय सेवा योजना से विद्यार्थी में आता है आत्म विश्वास : रौशन सिंह

कॉलेज में मनाया रासेयो स्वर्ण जयंती समारोह

सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं- शर्मा

भारतीय संस्कृति में बेटियों का महत्त्वपूर्ण स्थान- डॉ. शर्मा

देश में विभिन्न धर्मों के पर्वों का एक साथ पड़ना ही है कौमी एकता

रामचरित मानस की सर्जना कर म... तुलसीदास असंख्य कवियों के प्रे...

'छात्र-छात्राओं ने लिया संकल्प, नहीं छोड़ेंगे जूठन

तुलसी वाल्मीकि के ही प्रतिरूप हैं : आचार्य डॉ. शर्मा

कॉलेज के प्रोफेसर अपनी तनख्वाह से गरीब छात्रों के जीवन का कर रहें रोशन

घूस को घूसा मारने कालेज

हिन्दी कैरियर की नहीं, संस्कार की भाषा है: डॉ. हिमांशु द्विवेदी

उतई कॉलेज परिवार ने वृद्धजनों के साथ मनाई दिवाली, पाए आशीर्वाद

वृद्धजनों के सम्मान से बढ़ते हैं उम्र, विद्या, यश और ताकत

इंटर डिस्प्लिनरी एप्रोच और सोच के बिना पढ़ना, पढ़ाना तथा शोध संभव नहीं : शर्मा

उपयोगी साबित हो रही है नेकी की दीवार

शिक्षाप्रद कार्यक्रम एकता के संकल्प के साथ रन फॉर यूनिटी का सफल आयोजन

उतई व मचांदूर कॉलेजों में साहित्य-शिक्षा पर हुआ विशेष व्याख्यान

तुलसी वाल्मीकि के ही प्रतिरूप हैं -शर्मा

उतई स्थित शासकीय कॉलेज में रन फॉर यूनिटी का आयोजन देश की एकता व अखंडता के लिए कार्य करने की ली शपथ

कॉलेज स्टाफ ने लिया राष्ट्रीय व कौमी एकता का संकल्प

पर्व विशेष के अनुरूप सज रही नेकी की दीवार

उतई कॉलेज में बनी नेकी की दीवार पर त्योहारों के अनुसार रखी सामग्री का हो रहा उपयोग

Free Eye Checkup Camp organised

इंदिरा गांधी को भी किया याद

भ्रष्टाचार मिटाकर नया भारत बनाने का लिया संकल्प

वृद्धजनों के सम्मान से बढ़ती हैं उम्र, विद्या और ताकत : डॉ. शर्मा

रामायण और गीता के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती

स्टाफ ने ली शपथ

उतई कॉलेज के नेकी की दीवार ने मना दिया देबारी तिहार, जरूरतमंदो को मिली सहायता

सफलता की खुशी मनाना अच्छा है पर उससे भी जरूरी है अपनी असफलताओं से सीख लेना – बिल गेट्स

विश्व योग सप्ताह

महाविद्यालय में विश्व योग सप्ताह का आयोजन दिनांक 15.06.2018 से 21.06.2018 तक किया गया।

'गुडलक चॉकलेट्स'

परीक्षार्थियों को 'गुडलक चॉकलेट्स' वितरित कर उनको परीक्षा की शुभकामनायें देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा एवं मुस्कान बिखेरते हुए विद्यार्थी।

सहयोग, सेवा, सहायता और सामाजिक सरोकार

बाबा साहब डॉ. बी. आर. अम्बेडकर स्कूल मरोदा में बच्चों को पाठ्यसामग्री एवं वस्त्र आदि भेंट करते हुये प्राचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा।

एक उत्कृष्ट बात जो शेर से सीखी जा सकती है वो ये है कि व्यक्ति जो कुछ भी करना चाहता है उसे पूरे दिल और जोरदार प्रयास के साथ करें। – चाणक्य

पुरखों का पुण्य स्मरण और कृतज्ञता, छात्रों के विकास हेतु महाविद्यालय में आयोजित हुई संगोष्ठी

जिन समाजसेवी महापुरुष दानवीर तुलाराम जी के नाम से महाविद्यालय जाना जाता है और शासन ने, कॉलेज के नामकरण में जिनके व्यक्तित्व–कृतित्व से प्रभावित होकर उनका नाम कॉलेज से जोड़ा, उन पर परिचर्चा हुयी। विद्यार्थी वृन्द अपने प्रेरणा–पुरुष विषयक जानकारी से लाभान्वित हुये। नेहरू युवा केन्द्र के पूर्व प्रभारी, समाजसेवी, साहित्यकार एवं दानवीर जी के परिजन श्री भूषण लाल जी परगनिहा ने महाविद्यालय परिवार को तुलाराम जी के विराट और आदर्श व्यक्तित्व से परिचय कराया। उनके प्रेरक वक्तव्य के पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा ने संस्था की ओर से शॉल–श्रीफल से उनका सम्मान किया।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई, दुर्ग में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

'जियो डिजिटल लाइफ' कैम्पस चयन

'जियो डिजिटल लाइफ' में सिलेक्शन के लिए ऑनलाईन परीक्षा देते हुए विद्यार्थीगण